वर्ष 24, अंक 283, पृष्ठ 08, मूल्यः 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज बुधवार 22 अप्रैल 2026

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

ईरान के लोगों बहुत अच्छे और सक्षम है

इस्लामाबाद वार्ता 2.0 से पहले प्रेसिडेंट ट्रंप ने की ईरान की तारीफ

अमेरिका

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार (21 अप्रैल, 2026) को इस्लामाबाद वार्ता 2.0 को लेकर यूएस और ईरान के बीच सबकुछ सकारात्मक होने के संकेत दिए हैं. उन्होंने कहा कि तेहरान के साथ जल्द ही हमारी बड़ी डील होगी. उन्होंने ईरान के लोगों की तारीफ करते हुए कहा कि ईरान के लोगों बहुत अच्छे और सक्षम है. हालांकि, ट्रंप ने तारीफ के तुरंत बाद ही ईरान को धमकी भी दे डाली. उन्होंने कहा कि अगर ईरान हमारे साथ कोई समझौता साइन नहीं करता है, तो वहां फिर से बमबारी शुरू हो सकती है.

ट्रंप ने दावा किया कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर अमेरिका का पूरा कंट्रोल है. अमेरिका इस वक्त बेहद मजबूत स्थिति में है और ईरान के साथ एक बेहतर समझौते की संभावना बनी हुई है. हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि ईरान के पास ऑप्शन नहीं हैं और उसे समझौता करना ही होगा.

हमने सीजफायर का इस्तेमाल ताकत बढ़ाने के लिए कियाः ट्रंप

CNBC को दिए इंटरव्यू में राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि पिछले 47 सालों में हम समझौता करने की बेहद मजबूत स्थिति में थे, जो अन्य राष्ट्रपतियों को करना चाहिए था, लेकिन अब मुझे उसे पूरा करने का मौका मिला है. उन्होंने कहा कि अमेरिका ने 47 सालों तक खून के प्यासे लोगों का कुछ नहीं किया.

उन्होंने कहा कि हम पूरी तरह तैयार हैं और हम सीजफायर के पहले से कहीं ज्यादा ताकतवर हैं. हमने युद्धविराम का इस्तेमाल अपनी ताकत बढ़ाने के लिए किया और उन्होंने भी शायद थोड़ा बहुत ऐसा किया होगा.

ईरान समझदारी से काम लें और हमारे साथ डील साइन करेंः ट्रंप

डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, हमने कल सोमवार (20 अप्रैल, 2026) को एक जहाज को पकड़ा, जिसमें कुछ ऐसी चीजे थीं, जो अच्छी नहीं थी. शायद यह चीन की तरफ से कोई तोहफा था, मुझे नहीं पता, मैं हैरान हूं. मुझे लगा था कि मेरी चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ समझ बनी हुई है.

उन्होंने कहा, ह्यअगर ईरान समझदारी के साथ काम करे और हमारे साथ एक बेहतर समझौते पर साइन करे तो वह फिर से एक मजबूत और समृद्ध देश बन सकता है.ह्ल ट्रंप ने ईरान की जनता की तारीफ करते हुए कहा कि ईरान के लोग काफी अच्छे हैं और सक्षम है. उन्हें असली वजहों पर काम करना होगा और अपना कॉमन सेंस इस्तेमाल करना होगा.

दूसरी तरह उन्होंने कड़ा रुख अपनाते हुए यह भी संकेत दिए हैं कि अगर जल्द कोई ठोस प्रगति नहीं होती है, तो सैन्य कार्रवाई फिर से शुरू की जा सकती है।

योगी सरकार में शिक्षा की नई क्रांति

यूपी के 32 हजार 480 प्राथमिक विद्यालय बने निपुण

यूपी

योगी सरकार में बेसिक शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए किए जा रहे लगातार प्रयासों का बड़ा परिणाम सामने आया है. निपुण भारत मिशन के तहत किए गए ताजा आकलन में 32,480 प्राथमिक विद्यालय ह्यनिपुणह्ल घोषित किए गए हैं. इन विद्यालयों में कक्षा 1 और 2 के कम से कम 80 प्रतिशत बच्चों ने भाषा और गणित में अपेक्षित दक्षता हासिल की है.

इन विद्यालयों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता और उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया जाता है. डीएलएड (डिप्लोमा इन एलीमेंट्री एजुकेशन) प्रशिक्षुओं के माध्यम से कराए गए इस आकलन को पारदर्शी और जमीनी माना जा रहा है. शिक्षा विभाग का मानना है कि कड़े मानकों के बावजूद यह परिणाम गुणवत्ता सुधार की स्पष्ट तस्वीर पेश करता है.

निपुण रैंकिंग वाले टॉप जिले

निपुण रैंकिंग में प्रदेश के कई जिलों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है. निपुण आकलन के आधार पर सबसे अधिक निपुण विद्यालयों वाले जिलों में हरदोई (1002 विद्यालय), अलीगढ़ (969 विद्यालय), शाहजहांपुर (916 विद्यालय), महाराजगंज (874 विद्यालय) और खीरी (830 विद्यालय) शीर्ष स्थान पर हैं. ये आंकड़े दशार्ते हैं कि इन जिलों में बड़ी संख्या में विद्यालयों ने निपुण मानक हासिल किया है और शिक्षा की गुणवत्ता सुधार के प्रयासों का ठोस असर जमीनी स्तर पर दिखाई दे रहा है।

विकसित भारत की तर्ज पर बिहार को मिलेगी नई गति- सम्राट चौधरी

बिहार

बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार मुलाकात की, जहां दोनों नेताओं ने विकसित भारत और समृद्ध बिहार की परिकल्पना पर चर्चा की। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से विकसित भारत की राष्ट्रीय परिकल्पना के अनुरूप बिहार के विकास पथ को मजबूत करने के संबंध में बहुमूल्य मार्गदर्शन प्राप्त हुआ है।

उन्होंने प्रधानमंत्री के समर्थन के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मोदी के मार्गदर्शन और सहयोग से बिहार की प्रगति को नई गति मिल रही है।

इस बैठक को केंद्र-राज्य समन्वय के उन निरंतर प्रयासों का हिस्सा माना जा रहा है जिनका उद्देश्य विकास पहलों को गति देना और राज्य में कल्याणकारी एवं अवसंरचना परियोजनाओं का प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करना है।

यूपी में चिलचिलाती गर्मी के बीच लखनऊ में बदली स्कूलों की टाइमिंग

लखनऊ

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में बढ़ते तापमान को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों के हित में महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है. इसके तहत प्री-प्राइमरी से लेकर कक्षा 8 तक के सभी बोर्डों के सरकारी, परिषदीय, गैरसरकारी और निजी विद्यालयों के समय में बदलाव किया गया है. जिलाधिकारी विशाख जी द्वारा जारी आदेश के अनुसार 22 अप्रैल 2026 से अगले आदेश तक विद्यालयों का संचालन सुबह 7:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक किया जाएगा।

पीएम को 'आतंकवादी' कहना 140 करोड़ भारतीयों का अपमान- पीयूष गोयल

नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर दिए गए बयान पर केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि गांधी परिवार, खरगे और कांग्रेस हमेशा से इस तरह की घटिया टिप्पणियां करते आए हैं। खरगे का दिल और दिमाग अभी भी प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता को स्वीकार नहीं कर पा रहा है। वे इस बात को पचा नहीं पा रहे हैं कि गांधी परिवार लगातार तीन चुनावों में हार चुका है। प्रधानमंत्री मोदी ने 25 वर्षों तक गुजरात सरकार का नेतृत्व किया और अब पिछले 12 वर्षों से केंद्र सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं, जिनका सार्वजनिक सेवा का बेदाग रिकॉर्ड है, जबकि गांधी परिवार का हर पीढ़ी में घोटालों से जुड़ाव रहा है। उन्होंने लोकतंत्र का गला घोंटा है और भारत के खिलाफ हमेशा बोलते रहे हैं, चाहे भारत में हो या विदेश में... मैं कांग्रेस की इस सोच की निंदा करता हूं। मैं गांधी परिवार के मोदी विरोधी रवैये की निंदा करता हूं।

पीयूष गोयल ने कहा कि राहुल गांधी और एमके स्टालिन को प्रधानमंत्री और उन्हें वोट देकर सत्ता में लाने वाली भारत की जनता के इस घोर अपमान के लिए माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस और डीएमके ने इस बयान से 14 करोड़ भारतीयों को, जिनमें हमारे 8 करोड़ तमिल भाई-बहन भी शामिल हैं।

चारधाम यात्रा पर कॉमर्शियल वाहनों के लिए जरूरी खबर, ग्रीन कार्ड के लिए अब ऑनलाइन आवेदन शुरू

चारधाम यात्रा पर जाने वाले कॉमर्शियल वाहन चालकों के लिए एक महत्वपूर्ण अपडेट सामने आया है. चारधाम यात्रा के दौरान अब ग्रीन कार्ड बनवाने की प्रक्रिया को और आसान बना दिया गया है. पहले जहां यह पूरी प्रक्रिया केवल ऑफलाइन माध्यम से होती थी, वहीं अब वाहन मालिक और चालक ऑनलाइन भी आवेदन कर सकते हैं.

कॉमर्शियल वाहनों का ग्रीन कार्ड बनाना अनिवार्य

परिवहन विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, चारधाम यात्रा के लिए कॉमर्शियल वाहनों का ग्रीन कार्ड बनाना अनिवार्य है. यह कार्ड इस बात का प्रमाण होता है कि संबंधित वाहन सभी आवश्यक तकनीकी और सुरक्षा मानकों को पूरा करता है. यात्रा के दौरान बिना ग्रीन कार्ड के किसी भी कॉमर्शियल वाहन को अनुमति नहीं दी जाएगी.

उप परिवहन आयुक्त शैलेश तिवारी ने बताया कि अब तक कुल 8112 ग्रीन कार्ड जारी किए जा

आतिशबाजी फैक्ट्री में धमाके से 8 की मौत, 40 घायल

केरल

केरल के त्रिशूर जिले में मंगलवार दोपहर एक आतिशबाजी निर्माण इकाई में हुए विस्फोट में आठ लोगों की मौत हो गई और 40 से अधिक लोग घायल हो गए। यह घटना मुंडाथिकोड में दोपहर लगभग 3.35 बजे घटी। वडक्कनचेरी अग्निशमन केंद्र के एक अधिकारी ने ऑनमनोरमा को बताया कि पटाखे बनाने की इकाई धान के खेत में स्थित थी जो कटाई के बाद सूख चुका था, और भीषण गर्मी ने घटना को और भी गंभीर बना दिया होगा। घायलों में से अधिकांश इसी इकाई के कर्मचारी हैं। अधिकारियों ने बताया कि घटना के तुरंत बाद अग्निशमन कर्मी और एम्बुलेंस मौके पर पहुंचे। घायलों का इलाज त्रिशूर मेडिकल कॉलेज अस्पताल सहित कई अस्पतालों में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमें दोपहर करीब 3.35 बजे विस्फोट की सूचना मिली। पटाखे बनाने की इकाई धान के खेत में स्थित थी जो फसल कटाई के बाद सूख चुका था, और भीषण गर्मी ने घटना को और भी गंभीर बना दिया होगा। उन्होंने आगे कहा कि वडक्कनचेरी, कुन्नमकुलम और त्रिशूर की अग्निशमन इकाइयों ने स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर बचाव कार्य में समन्वय किया। हालांकि, अधिकारी ने बताया कि बचाव दल अभी तक पटाखों के ठिकाने तक नहीं पहुंच पाया है। कुन्नमकुलम अग्निशमन केंद्र के एक अधिकारी ने कहा कि हम अभी तक पटाखों के ठिकाने तक नहीं पहुंच पाए हैं। वहां रखे गए सामान की मात्रा स्पष्ट नहीं है और आगे भी विस्फोट होने की संभावना है।

क्या अब अल्कोहल पर चलेंगी भारतीय कारें?

पेट्रोल में 85% इथेनॉल मिलाने के लिए जल्द आएंगे नियम

नई दिल्ली

भारत के ऑटोमोबाइल सेक्टर में एक बहुत बड़ा बदलाव आने वाला है। अब तक हम पेट्रोल में 20% इथेनॉल (E20) के मिश्रण की बात कर रहे थे, लेकिन अब सरकार ए85 यानी 85% इथेनॉल और 15% पेट्रोल के मिश्रण को हकीकत बनाने की तैयारी में है। खबरों के मुताबिक, सरकार जल्द ही इसके लिए ड्राफ्ट नियम अधिसूचित (Notify) करने वाली है। यह कदम ऐसे समय में उठाया जा रहा है जब वैश्विक स्तर पर ऊर्जा संकट गहराता जा रहा है और भारत अपनी तेल की जरूरतों के लिए विदेशी आयात पर निर्भरता कम करना चाहता है।

सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'द हिंदू' को बताया कि सरकार "बहुत जल्द" इथेनॉल 85 (E85) को लागू करने से जुड़े ड्राफ़्ट नियम जारी करेगी। अधिकारी ने, जिनका नाम 'द हिंदू' ने नहीं बताया, कहा, "ड्राफ़्ट नियम बहुत जल्द अधिसूचित किए जाएँगे। सरकार के भीतर इस पर आम सहमति बन चुकी है। बाजार में भी इस पर सहमति है और शुरूआती परीक्षण भी पूरे कर लिए गए हैं।" ए85, जिसे 'फ़्लेक्स फ़्यूल' भी कहा जाता है, के लिए इंजन में कुछ बदलाव करने की जरूरत होती है। इसके लागू होने की उम्मीद "कुछ ही सालों में" है। एक अन्य वरिष्ठ अधिकारी ने 'ET Auto' को इस बात की पुष्टि की कि "फ़्यूल में 85% इथेनॉल मिलाने की अनुमति देने वाला ड्राफ़्ट नोटिफि केशन तैयार है और इसे जल्द ही जारी कर दिया जाएगा।" अधिकारी ने 'ET Auto' को बताया कि "बाजार में इस पर पहले ही आम सहमति बन चुकी है, और ए85 के लिए गाड़ियों का शुरूआती परीक्षण भी पूरा हो चुका है।" 'Mi»»ft' AüSX 'TeÔm-BHP' ने भी ए85 फ़्यूल को लेकर सरकार की योजनाओं पर रिपोर्ट प्रकाशित की हैं।

पीएम मोदी को पहले कहा आतंकी, बाद में देने लगे सफाई- खरगे

तमिलनाडु

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर एक चौंकाने वाला आरोप लगाते हुए उन्हें आतंकवादी कहा। उन्होंने आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के लिए भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के साथ गठबंधन करने के लिए एआईएडीएमके की कड़ी आलोचना की। कांग्रेस सहित डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन के लिए चेन्नई में प्रचार कर रहे खरगे ने सवाल उठाया कि एआईएडीएमके ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ गठबंधन कैसे किया, जिन पर उन्होंने आतंकवादी होने का आरोप लगाया और कहा कि उनकी पार्टी समानता और न्याय में विश्वास नहीं करती।

खरगे ने कहा कि वे (एआईएडीएमके) मोदी के साथ कैसे जुड़ सकते हैं? वह एक आतंकवादी है। और वह जो समानता में विश्वास नहीं करते। उसकी पार्टी समानता और न्याय में विश्वास नहीं करती। और ये लोग उनके साथ जुड़ रहे हैं, इसका मतलब है कि वे लोकतंत्र को कमजोर कर रहे हैं। एआईएडीएमके-भाजपा गठबंधन पर उनका तीखा हमला तमिलनाडु चुनाव के प्रचार के आखिरी दिन आया है, जिसके लिए मतदान 23 अप्रैल को होगा।

थम गया चुनावी राज्य 'बंगाल-तमिलनाडु' में प्रचार का शोर, अब 23 अप्रैल को उम्मीदवारों की किस्मत पर फैसला

तमिलनाडु'

पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में पहले चरण के मतदान से 48 घंटे पहले अब मंगलवार को चुनाव प्रचार थम गया है. तमिलनाडु में सभी 234 सीटों पर 23 अप्रैल को मतदान होना है. वहीं बंगाल में पहले चरण की 152 सीट पर वोटिंग होगी. चुनाव प्रचार थमने के बाद किसी भी तरह की सार्वजनिक रैलियों और राजनीतिक प्रचार अब उम्मीदवार नहीं कर सकेंगे.

तमिलनाडु की सभी सीटों पर होगा मतदान

तमिलनाडु की बात करें, तो इस बार एक साथ सभी 234 सीटों पर मतदान होगा. इस बार राज्य में कुल 4,023 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं. इस बार सभी की निगाहें राज्य के चर्चित अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी टीवीके पर भी है. राज्य की कई सीटों पर टीवीके को काफी समर्थन मिल रहा है. इस चुनाव में कुल 5.73 करोड़ मतदाता अपने मत का प्रयोग कर सकेंगे.

बंगाल में 152 सीटों पर होगा पहले चरण का मतदान

बंगाल की 152 सीटों पर पहले चरण का मतदान होना है।

उत्तर प्रदेश सरकार को आरोप जोड़ने के लिए 2 हफ़्ते की मोहलत

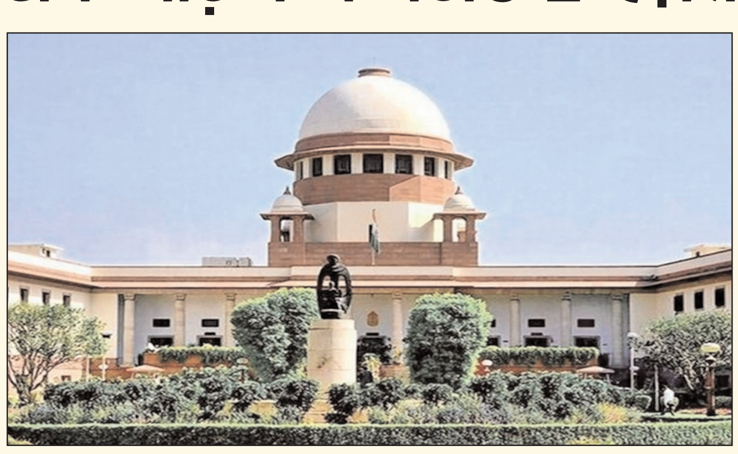

उत्तर प्रदेश

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश सरकार को दो हफ़्ते का समय दिया। यह समय उन लोगों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 153इ और 295अ के तहत धर्म-आधारित अपमान और हेट क्राइम के आरोप जोड़ने के लिए दिया गया है, जिन पर 2021 में नोएडा में चलती वैन में एक मुस्लिम मौलवी के साथ कथित तौर पर मारपीट करने का आरोप है। जून 2021 में मौलवी काज़िम अहमद शेरवानी की शिकायत के अनुसार, जब वह नोएडा से अलीगढ़ जा रहे थे, तो एक चलती वैन में कुछ लोगों के एक समूह ने पहले उन्हें लिफ़्ट देने की पेशकश की, और फिर उनकी दाढ़ी खींचकर और उनकी टोपी उतारकर उनके साथ गाली-गलौज करना शुरू कर दिया।

अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए, जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कहा कि उनके पिछले आदेश के बावजूद, अधिकारियों ने अभी तक ऊपर बताई गई धाराओं को लागू क्यों नहीं किया है। कोर्ट ने कहा कि वह जांच अधिकारी (क/ड) को तलब करने पर विचार कर रहा है, ताकि वह इस बात का स्पष्टीकरण दे सकें कि आदेश का पालन क्यों नहीं किया गया। हालाँकि, उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश वकील, एडिशनल सॉलिसिटर जनरल के.एम. नटराज के अनुरोध पर, जिन्होंने कोर्ट के पिछले आदेश का पूरी तरह से पालन सुनिश्चित करने के लिए समय मांगा था, कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को दो हफ़्ते का समय दे दिया।

कोर्ट ने इस मामले की अगली सुनवाई 19 मई के लिए तय की है। फरवरी में इस मामले की पिछली सुनवाई के दौरान, अरऋ नटराज ने दलील दी थी कि इस मामले में हेट क्राइम (नफरत से जुड़े अपराध) के प्रावधान लागू होंगे; इसके बाद कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार से कहा था कि वे "अपनी ज़िम्मेदारी निभाएँ" और इस मामले में हेट क्राइम के आरोप भी शामिल करें।

शेरवानी ने नवंबर 2021 में सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि नोएडा के अधिकारियों ने शुरू में उनकी शिकायत दर्ज करने से मना कर दिया था। उन्होंने हेट क्राइम के पीड़ितों के लिए मुआवजे का एक ढाँचा बनाने और दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की भी माँग की थी। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को दो हफ़्ते का समय दिया, ताकि वे उन लोगों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (क्ढउ) की धारा 153इ और 295अ के तहत धर्म के आधार पर भावनाएँ भड़काने और हेट क्राइम के आरोप जोड़ सकें, जिन पर 2021 में नोएडा में चलती वैन में एक मुस्लिम धर्मगुरु के साथ कथित तौर पर मारपीट करने का आरोप है।

जून 2021 में धर्मगुरु काज़िम अहमद शेरवानी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, जब वे नोएडा से अलीगढ़ जा रहे थे, तब एक चलती वैन में सवार कुछ लोगों के एक समूह ने शुरू में उन्हें लिफ़्ट देने की पेशकश की थी।

कथा से पहले बागेश्वर धाम पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की

उन्होंने कहा कि ज्ञानवापी परिसर में एक दिन जरूर रुद्राभिषेक होगा

अखंड भारत संदेश

नैनी। नैनी अरैल क्षेत्र में उत्थान समिति के अध्यक्ष डॉ उदय प्रताप सिंह की ओर से 21 अप्रैल से 23 अप्रैल तक आयोजित हो रही बागेश्वर धाम पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री की राष्ट्र हनुमंत कथा मंगलवार से शुरू हो गई है। जिसे सुनने के लिए अन्य प्रदेशों से भी भक्तों की भीड़ एक दिन पहले से ही प्रयागराज पहुंच गई। काफी संख्या में लोग पंडाल में पहुंचे और वहां बैठे दिखाई दिए। दूर दराज से आए लोगों का कहना था कि बाबा बागेश्वर धाम सरकार से मुलाकात तो नहीं हो सकती लेकिन उनके दर्शन मात्र से जीवन सफल हो जाएगा। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की नैनी अरैल क्षेत्र में होने वाली राष्ट्र हनुमंत कथा के लिए भव्य पंडाल बनकर तैयार हुआ है। वह बमरौली एयरपोर्ट पर हेलिकॉप्टर से पहुंचे। यहां से करेलाबाग तक कार, फिर यमुना में स्टीमर से अरैल सेल्फी प्वाइंट पहुंचे। धीरेंद्र शास्त्री के पहुंचने पर भक्तों ने बागेश्वर बाबा के जयकारे लगाए। कथा से पहले धीरेंद्र शास्त्री ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि ज्ञानवापी परिसर में एक दिन जरूर रुद्राभिषेक होगा। काशी विश्वनाथ जी के बगल में जो कलंक लगा है, वह मिटेगा। हमें मंदिरों में भीड़, सड़कों पर तूफान चाहिए। राम राज्य से भरा हिंदुस्तान चाहिए। मुझे न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है। बरेली के एक मौलाना की ओर से विरोध के सवाल पर धीरेंद्र शास्त्री ने कहा- समय-समय का खेल है। दो कौड़ी के लोग करोड़ों में बिकने लगते हैं। उन्होंने राम मंदिर का जिक्र करते हुए कहा कि जैसे मंदिर बना, वैसे ही एक दिन ज्ञानवापी पर भी भगवा लहराएगा। कथा में करीब 5 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। पंडाल में हजारों श्रद्धालुओं की बैठने की व्यवस्था है। जबकि पूरा आयोजन करीब छह एकड़ एरिया में है। पंडाल में भक्तों के आने और जाने के लिए 8 एंट्री गेट बनाए गए हैं। 3000 पुलिसकर्मियों के साथ 500 सीसीटीवी से निगरानी की जाएगी।

पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री बोले- गर्मी बहुत है, कल से 5 बजे कथा कहेंगे

पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने कहा– दुनिया का सबसे बड़ा महाकुभ प्रयाग में लगा। ये सनातन की धरती है। अपने घरों पर आप कुछ भी बने रहो, लेकिन दिलों में विचार रखिए– हम हिंदू हैं, हम सनातनी हैं। हमने सुंदर कांड को चुना है। तीन दिन तक हम कथा सुनाएंगे। यहां गर्मी बहुत है, दिन में आपके लिए आना कठिन है। इसलिए हमने तय किया कि कथा 4–5 बजे शुरू करें। नहीं तो, पता चले कि कथा सुनने आए और मोक्ष हो जाए, बहुत कठिन है भैया।

खेरूवा ग्राम सभा भ्रष्टाचार प्रकरण : जाँच से घबराए खेरूवा प्रधान, पत्र लिखकर मांगी मोहलत

मुख्य जाँच अधिकारी प्रयागराज ने शिकायत कर्ता को पत्र भेजा बोले, शीघ्र नई तिथि निर्धारित कर होगी जांच।

तीन सदस्यीय कमेटी की जांच टली, शिकायतकर्ता का आरोप– भ्रष्टाचार छिपाने की साजिश, पुलिस बल के साथ दोबारा होगी जांच

सैदाबाद। विकास खंड सैदाबाद के खेरूवा ग्राम पंचायत में भ्रष्टाचार के आरोपों ने अब तूल पकड़ लिया है। राज्य बजट की विभिन्न योजनाओं में लाखों रुपये के घोटाले की आरोपों की जांच उस वक्त सवालों के घेरे में आ गई, जब ग्राम प्रधान वीरेंद्र सिंह ने स्वयं पत्र लिखकर जांच को स्थगित करने का अनुरोध कर दिया। जिलाधिकारी द्वारा गठित तीन सदस्यीय जांच कमेटी की प्रस्तावित कार्रवाई अब टल गई है, जिससे पूरे मामले में नए संदेह पैदा हो गए हैं।

जांच अधिकारी की ओर से शिकायतकर्ता दिलीप प्रजापति को भेजे गए पत्र में पुष्टि की गई है कि प्रधान के अनुरोध पर फिलहाल जांच टल गई है। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया है कि अब नई तारीख पुलिस बल की मौजूदगी में तय कर आगे की जांच कराई जाएगी।

शिकायतकर्ता ने प्रधान की इस कार्रवाई को सीधे तौर पर भ्रष्टाचार से बचने की कोशिश करार दिया है। उनका कहना है कि ह्लअगर सब कुछ ठीक होता, तो जांच से बचने की जरूरत ही नहीं पड़ती। बार-बार जांच टालना इस बात का संकेत है कि गांव में बड़े स्तर पर गड़बड़ी हुई है।

घोटाले के आरोपों का पूरा हिसाब :

खेरूवा ग्राम पंचायत में विभिन्न योजनाओं के तहत वित्तीय अनियमितताओं के गंभीर आरोप सामने आए हैं–

- हैंडपंप रिबोर के नाम पर 5 लाख से अधिक खर्च दशार्या गया
- हैंडपंप मरम्मत में 2.38 लाख की निकासी
- स्ट्रीट लाइट के लिए 3 लाख से अधिक खर्च दिखाया गया।

इसके अलावा नाली निर्माण, इंटरलॉकिंग, प्रधानमंत्री आवास योजना और शौचालय निर्माण में भी गड़बड़ी के आरोप लगे हैं। आरोप है कि दस्तावेजों में हेरफेर कर सरकारी धन का दुरुपयोग किया गया।

जाँच से प्रधान समर्थकों मे मायूसी

मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन ने पहले ही जांच टीम गठित कर दी थी, लेकिन जांच टलने के बाद अब पूरे घटनाक्रम पर सवाल खड़े हो गए हैं। गांव से लेकर जिला तक इस मुद्दे की चर्चा तेज हो गई है। जांच से प्रधान समर्थकों में मायूसी है।

खीरी में एक आदिवासी की चाकुओं से गोद गोद कर हत्या

कोरांव। कोरांव तहसील के थाना खीरी क्षेत्र के चांद खमरिया निवासी राजू कोल पुत्र पारस नाथ कोल उम्र 40 वर्ष की बीती रात खूंटा चौराहे पर घात लगाए हत्यारों ने वैवाहिक कार्यक्रम से लौटते समय रास्ते में निर्माण हत्या कर दी। है। हत्यारे मौके से फरार हो गए। मृतक के पिता ने खीरी थाने में तीन लोगों के विरुद्ध हत्या का नामजद मुकद्दमा दर्ज कराया है। पुलिसने लाश कब्जे में ले कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। समाचार लिखे जाने तक पुलिस हत्यारों की तलाश में लगी थी। आए दिन हो रही अप्रिय घटनाओं से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैली हुई है।

आधुनिक दौर में भी बुनियादी सुविधाओं से वंचित परिवार, अंधेरे में गुजर रही जिंदगी

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। प्रदेश सरकार जहां अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के उत्थान की बात करती है, वहीं शहर के पॉश इलाके सिविल लाइंस में एक परिवार आज भी बुनियादी सुविधाओं के अभाव में नारकीय जीवन जीने को मजबूर है। सिविल लाइंस स्थित पत्रिका चौराहा के पास साकेत कॉलोनी के पीछे गली नंबर 8 में रहने वाले विशु कुमार भट्टाचार्य का परिवार सरकारी उदासीनता की जीती-जागती मिसाल बन गया है।

परिवार के पास न बिजली की सुविधा है और न ही अन्य मूलभूत संसाधन। वर्षों पहले बिजली कनेक्शन कट जाने के बाद से अब तक उसे बहाल नहीं किया गया। रात के अंधेरे को दूर करने के लिए परिवार आज भी ढिबरी और मोमबत्ती का सहारा लेता है। हालत इतनी खराब है कि विशु भट्टाचार्य की पत्नी रेखा भी इस अभावग्रस्त जीवन से परेशान होकर मायके चली गई है।

गरीबी और लाचारी से जूझ रहे इस परिवार का जीवन दिहाड़ी मजदूरी और लोगों की मदद पर निर्भर है। पीड़ित ने कई बार जनप्रतिनिधियों और बिजली विभाग के अधिकारियों से गुहार लगाई, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला। जर्जर मकान में रह रहे इस परिवार की स्थिति मानवीय संवेदनाओं को झकझोरने वाली है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि पात्र होने के बावजूद इस परिवार को सरकारी योजनाओं से वंचित रखा गया है, जो प्रशासनिक लापरवाही को दशार्ता है। लोगों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि मामले की जांच कराकर पीड़ित परिवार को तत्काल प्रधानमंत्री आवास योजना, बिजली कनेक्शन, शौचालय और अन्य बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि उनका जीवन सम्मानजनक बन सके।

दास्तान ए आदर्श नगर पंचायत कोरांव : दुकानदार ही जाम का जिम्मेदार,प्रतिदिन कस्बे की मुख्य सड़क पर लंबा जाम

जब तक नगर की नाली और पटरियों से नहीं हटेगा अतिक्रमण तब तक जाम से नही मिलेगी निजात

बिजली के खंभे की आड़ में सडक तक अवैध कब्जे, पुलिस सिर्फ वाहनों पर उतारती है अपना गुस्सा

शहजादे

कोरांव। जिले का प्रसिद्ध नगर पंचायत कोरांव, तहसील मुख्यालय, ब्लॉक मुख्यालय, थाना पुलिस कोतवाली होते हुए भी प्रतिदिन जाम में वीआईपी वाहन, आम जन, दमकल वहां, एंबुलेंस, प्रशासनिक अधिकारियों के वाहन, इमरजेंसी वाहन फंसे रहते हैं जिसकी घोर निंदा हो रही है।

कस्बा कोरांव की सारी मुख्य सड़कें बाजार के व्यवसायियों की सड़क की पटरियों तक दुकानों की सजावटों, और इसके बाद दो पहिया वाहनों के बेतरतीब लावारिश की तरह खड़े कर दिए जाने,ठेले लगने से आने जाने वाले यात्रियों राहगीरों के छोटे बड़े वाहन बस ट्रक बाइक इत्यादि पटरियों तक अवैध कब्जे से दिन दिन भर जाम लगा रहता है। जिससे मरीज अस्पताल के पहले दम तोड़ देते हैं कई महिलाओं के इमरजेंसी वाहनों,एंबुलेंस में ही डिलीवरी हो जाती है।

आग लगने की सूचना पर तत्काल पहुंचने वाले फायर ब्रिगेड के वाहन भी घंटों फंसे रहते हैं जाम में जिससे घटनास्थल पर पहुंचने के पूर्व सब कुछ जल कर खाक हो जाता है। दुकानदार दुकान में बैठे बैठे जाम में फंसे ग्राहकों को बुलाते रहते हैं किंतु कोई सुनता नहीं। जब तक नली पर से और पटरियों से अतिक्रमण साफ नहीं होते तब तक जाम की समस्या से निजात नहीं मिलने वाली।

दरअसल पुलिस सिर्फ वाहनों के ही विरुद्ध एक्शन लेती है किंतु अवैध नाली और पटरी तक कब्जा करने वालों और बेतरतीब खड़े पटरी पर वाहनों,ठेले वालों पर कोई एकशन नहीं लिया जाता जिससे जाम की समस्या ज्यों की त्यों बनी रहती है। बीच सड़क पर वाहनों को खड़ा कर मॉल लादना उतारना भी जाम का कारण बन जाता है। पुलिस नगर पंचायत तहसील प्रशाशन द्वारा ठोस कार्यवाही अभियान न चलाने के करण नली और पटरियों तक अतिक्रमण नहीं हट पा रहे हैं। अगर देखा जाए तो दुकानदारों के ही नुकसान हैं,क्योंकि जाम के कारण कोई वाहन वाला ग्राहक खरीद दारी नहीं कर पाता। उक्त सड़कें चौड़ीकरण हुई किंतु पहले से भी कम चौड़ी हो गईं। कस्बे में सड़क कम चौड़ी जी दी गई और बाजार के बाहर की सदके काफी चौड़ी करदी गई। यदि कहीं कोई बाई पास सड़क खोजी जाती है तो उक्त सड़कों पर भी अवैध कब्जे अथवा मरम्मत के अभाव लेकिन आवागमन बाधित रहता है।

निदान

- सड़कों की नालियों पटरियों तक सजी दुकानों और प्रतिष्ठानों के प्रचार बोर्ड,तत्काल पुलिस बल के साथ हटवाया जाए।
- पटरियों पर आड़े तिरछे खड़े दो पहिया वाहनों चार पहिया एवं ठेले पटरी दुकानदारों को पटरी से हटाया जाए।
- सड़क से गुजरते वाहनों को बिना कारण चलान न किया जाए।
- हर चौराहों पर पुलिस कर्मी तैनात हों,पटरियों से वाहनों को हटवा कर यातायात सुलभ कराने की हिदायत दी जाए।
- पटरियों तक कब्जे दरों को नोटिस दे कर जुमार्ना वसूला जाए।
- सड़क पर खड़े बिजली के खंभे की आड़ में दुकानें बढ़ा कर कब्जा करने वालों को दंडित किया जाए।
- कोहड़ार मार्ग पर खड़े बेतरतीब वाहन,टैक्सी स्टैंड खंभों तक कब्जे हटवाएं जाएं,

सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स का धरना-प्रदर्शन, दिया ज्ञापन

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। सेवानिवृत कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन, उत्तर प्रदेश, जनपद शाखा- प्रयागराज की ओर से धरना प्रदर्शन का आयोजन, श्री आर पी पांडे की अध्यक्षता में हुआ जिसमें विभिन्न संगठनों के लगभग 500 पेंशनरों ने भाग लिया।

पेंशनरों की प्रमुख मांगे इस प्रकार हैं, वैलिडेशन एक्ट तुरंत वापस लिया जाए, भारत सरकार के राजपत्र में प्रकाशित निर्णय के अनुसार कर्मचारी पेंशनरों और शिक्षकों के लिए अलग-अलग सी पी आई बनाई जाए , ओपीएस बहाल किया जाए, पेंशनरों का राशिकरण की कटौती10 वर्ष पर बंद कर दी जाए, 65 वर्ष की आयु के बाद प्रत्येक 5 वर्ष में 5% पेंशन में वृद्धि की जाए, पेंशन को आयकर से मुक्त रखा जाए, कोरोना काल के 18 महीने के फ्रीज डीए का भुगतान किया जाए, वरिष्ठ नागरिकों को रेल किराए में 50% छूट दी जाए, आयुष्मान भारत योजना में कैशलेस उपचार करने की सीमा को 10 लाख किया जाए, महंगाई भत्ता 50% से अधिक होने पर उसे मूल वेतन/ पेंशन में मर्ज किया जाए।

अगर वर्तमान सरकार पेंशनर हित में उपरोक्त फैसले नहीं लेती है तो पेंशनरों ने आवाहन किया कि, सरकार को अपने मत की शक्ति से, तथा परिवार एवं जनता को अपने पक्ष में करके, बदलने की पूरे जोर-शोर से कोशिश करेंगे।

सभा को संबोधित करते हुए श्री आर. एस. वर्मा द्वारा सरकार की नीतियों और आचरण पर विस्तार से प्रकाश डाला गया, सुभाष पांडे जी द्वारा बताया गया कि कनफेडरेशन आफ सेंट्रल गवर्नमेंट इंप्लाइज एंड वर्कर्स द्वारा सरकार की और से की गई 16 सूत्रीय जिज्ञासाओं का उत्तर दिया गया तथा पेंशनर हित में की गई मांगों के बारे में विस्तार से बताया गया। अन्य गणमान्य वक्ताओं द्वारा कर्मचारियों की एकता और उनके सघन संघर्ष पर जोर दिया गया इनमें सर्वश्री डॉक्टर वी.के. श्रीवास्तव, राजेश यादव, इंजीनियर शिव शंकर सिंह, ऋषेश्वर उपाध्याय, सुशील कुमार श्रीवास्तव, योगेंद्र पांडे, पी.के. मिश्रा, एस.पी. राय टी. एन. दुबे, राममिलन मौर्य आदि रहे।

पेंशनरों की पूर्व सूचना के दिए जाने के बाद भी मजिस्ट्रेट के न आने पर डेढ़ घंटे के इंतजार करने के उपरांत स्थानीय चौकी के सब इंस्पेक्टर को सूचित किया गया कि ज्ञापन लेने समय से ना आने पर सभी पेंशनरों द्वारा सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है कि, चक्का जाम किया जाएगा इसके बाद समस्त उपस्थित पेंशनरों के चक्का जाम करने के उपरांत ही ए. सी. एम प्रयागराज, महोदय द्वारा उपस्थित होकर समस्त संगठनों की ओर से सर्वश्री आर.पी. पांडे श्री आर. एस. वर्मा सुभाष पांडे, सुशील कुमार श्रीवास्तव, ऋषेश्वर उपाध्याय एवं अन्य पेंशनर संगठनों के शीर्षस्थ पदाधिकारियों द्वारा ज्ञापन दिया गया।

मंडलीय समीक्षा बैठक में योजनाओं की प्रगति पर जोर, लापरवाही पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

ऋण वितरण में विलंब पर सख्ती, लापरवाह बैंकों पर कार्रवाई के निर्देश

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। मंडलायुक्त श्रीमती सौम्या अग्रवाल की अध्यक्षता में कार्यालय स्थित त्रिवेणी सभागार से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मंडलीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें सीएम डैशबोर्ड पर जनपदों की रैंकिंग सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विभागीय कार्यों की गहन समीक्षा की गई। बैठक में प्रमुख रूप से पीएम सूर्य घरझमुफ्त बिजली योजना, एनआरएलएम के आरएफ एवं सीआईएफ, मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), भवन एवं सड़क निर्माण कार्य, जननी सुरक्षा योजना, जल जीवन मिशन (हर घर जल), फैमिली आईडी, पीएम पोषण योजना के अंतर्गत विद्यालय निरीक्षण, मत्स्य उत्पादन, आईसीडीएस पोषण अभियान, नई सड़कों का निर्माण तथा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान आदि की प्रगति की बिंदुवार समीक्षा की गई।

सीएम डैशबोर्ड की मार्च 2026 की रिपोर्ट के अनुसार (विकास एवं राजस्व में) प्रयागराज की रैंकिंग 71, फतेहपुर की 38, कौशांबी की 10 तथा प्रतापगढ़ की 68 पाई गई। इस पर मंडलायुक्त ने प्रयागराज एवं प्रतापगढ़ के अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने और बेहतर समन्वय स्थापित कर रैंकिंग में सुधार लाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी विभागों को लक्ष्यों के अनुरूप कार्य करते हुए नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

कई परियोजनाओं में खराब रैंकिंग का कारण लिपिकीय त्रुटियां एवं डेटा की गलत फीडिंग पाए जाने पर मंडलायुक्त ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि ऐसे कार्मिकों की पहचान कर उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की त्रुटियों की पुनरावृत्ति न हो और वास्तविक प्रगति का सही आकलन हो सके।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान की समीक्षा के दौरान प्रयागराज जनपद में बैंकों द्वारा ऋण वितरण में विलंब के कारण रैंकिंग प्रभावित होने की बात सामने आई। इस पर उन्होंने जिलाधिकारी को निर्देश दिए कि संबंधित बैंकों को चिन्हित कर आवश्यक अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए तथा आवश्यकता पड़ने पर सरकारी जमा राशि वापस लेने जैसे कड़े कदम भी उठाए जाएं।

अनुसूचित जाति दशमोत्तर छात्रवृत्ति की समीक्षा में यह पाया गया कि संस्थागत स्तर पर अपेक्षित सहयोग न मिलने के कारण कई छात्र-छात्राएं लाभ से वंचित रह गए हैं। इस पर मंडलायुक्त ने निर्देश दिए कि ऐसे संस्थानों की सूची तैयार कर उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया जाए। साथ ही समाज कल्याण विभाग में डिजिटल सिग्नेचर की कमी से डेटा प्रोसेसिंग में हो रही देरी को देखते हुए मुख्य विकास अधिकारी को अतिरिक्त अधिकारियों को डिजिटल सिग्नेटरी के रूप में नामित कराने के निर्देश दिए गए।

निर्माण कार्य (सीएमआईएस) की समीक्षा करते हुए उन्होंने सभी कार्यदायी संस्थाओं की अलग से बैठक आयोजित कर एजेंसीवार प्रगति की समीक्षा करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त, जहां निर्माण कार्य पूर्ण हो चुके हैं, उनका शीघ्र हस्तांतरण सुनिश्चित करने को कहा गया, ताकि उन्हें जल्द से जल्द जन उपयोग में लाया जा सके।

परिवार नियोजन कार्यक्रम की समीक्षा में पुरुष एवं महिला नसबंदी की प्रगति अपेक्षाकृत धीमी पाई गई, जिसका कारण सर्जनों की कमी बताया गया। इस पर अपर निदेशक स्वास्थ्य को सभी स्थानों पर सर्जनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही आभा आईडी की संख्या बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चलाने और जनजागरूकता बढ़ाने पर भी जोर दिया गया।

बैठक में गो आश्रय स्थलों की व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर भी विशेष ध्यान दिया गया। सभी आश्रय स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने, 50 से कम क्षमता वाले आश्रय स्थलों का उपयुक्त स्थानों पर स्थानांतरण करने तथा वहां तैनात कर्मियों के कार्यों का विवरण नियमित रूप से रजिस्टर में दर्ज करने के निर्देश दिए गए।

पिता ने बाइक देने में असमर्थता जताई तो ससुरालियों ने मारपीट कर विवाहिता को घर से निकला

ससुरालियों द्वारा आए दिन की जा रही गाली गलौज प्रताड़ना और घरेलू हिंसा तथा खाने में मिलाए गए जहरीला पदार्थ खाने तथा घर से निकले जाने पर बीते अगस्त माह 2025 से बीमारी की हालत में मायके में रहने को मजबूर है पीड़िता बबिता

मायके में इलाज के दौरान ससुरालियों के इंतजार में बैठी पीड़िता का टूटा सब्र, खुद को पिता पर मान रही है बोझ, योगी की पुलिस और सरकार की मिशन शक्ति पर जताया भरोसा, न्याय पाने के लिए मुख्यमंत्री पोर्टल पर जरिए आईजीआरएस भेजा शिकायती पत्र कहा न्याय नहीं मिला तो आत्महत्या कर जीवन लीला करुंगी समाप्त

अखंड भारत संदेश

मेजा। दहेज में विवाहिता के पिता ने बाइक देने में असमर्थता जताई तो आए दिन बेटी के साथ गालियां, मारपीट, प्रताड़ना, और घरेलू हिंसा करने वाले दहेज लोभी ससुरालियों द्वारा विवाहिता को घर से निकाल दिए जाने का मामला प्रकाश में आया है। ससुरालियों के इंतजार में बीते 8 माह से गंभीर बीमारी से जूझती पीड़िता बबिता के पिता द्वारा उसे ससुराल भेजने के लिए कई बार पहल की गई किंतु दहेज लोभियों ने आज तक उसकी हाल खबर भी लेना मुनासिब नहीं समझा। ऐसे में स्वयं की बीमारी को पिता पर बोझ मानने वाली बबिता का अब ससुरालियों के प्रति मोह जहां भंग होता जा रहा है वहीं बेटियों की रक्षा सुरक्षा के लिए तत्पर सरकार की मिशन शक्ति पर भरोसा जताते हुए उसने मुख्यमंत्री पोर्टल पर आईजीआरएस शिकायती पत्र भेजकर दहेज लोभियों के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही किए जाने की गुहार लगाई है। प्रकरण मेजा थाना क्षेत्र के सींकी खुर्द गांव का है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त गांव निवासी बबिता पुत्री राम अवध बिंद ने आईजीआरएस के जरिए

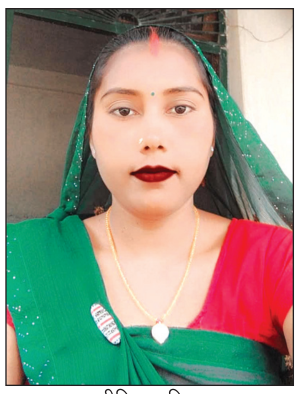
पीड़िता बबिता

मुख्यमंत्री पोर्टल पर भेजी गई शिकायत में इस बात का उल्लेख करते हुए लिखा है कि विगत21 मई 2023 ई में उसके पिता राम अवध ने उसकी शादी खीरी थाना क्षेत्र के नीबी मररहला गांव निवासी राम औतार पुत्र राजेश्वरी प्रसाद बिंद के साथ हिन्दू रीति रिवाज के अनुसार किये थे और अपनी हैसियत के अनुसार डेढ़ लाख रुपया नकद,गृहस्थी का संपूर्ण सामान, थान थार और बेटी को जेवरात देकर विदाई किए थे। शिकायती पत्र में विवाहिता बबिता का आरोप है कि जबसे वह ससुराल गई तभी दहेज में बाइक न मिलने को लेकर उसके पति राम औतार,ससुर राजेश्वरी प्रसाद,सास ममता देवी, जेठ बाबूलाल और जेठानी बाबूलाल की औरत खरी खोटी ताना बाना गाली गलौज,शोषण उत्पीड़न, प्रताड़ना और घरेलू हिंसा करने लगे। इतना ही नहीं विवाहिता का मानसिक और शारीरिक शोषण करने के साथ साथ उसे खाना पानी भी देना बंद कर देते रहे हैं। सभी लोग प्रायः यह धमकी देते रहते थे कि अपने पिता से दहेज में बाइक दिलाओ नहीं तो तुम्हे जान से मारकर हम अपने बेटे की दूसरी शादी रचा लेंगे। पीड़िता के अनुसार यह बात जब वह अपने मायके आती थी तो राम अवध को बताती थी लेकिन उसके पिता ने अपनी असमर्थता जाहिर करते हुए बाइक देने मना कर दिया और बेटी को समझा कर ससुराल भेज देते रहे। तहरीर के मुताबिक ससुराल जाने पर उक्त दहेज लोभियों से पिता की बात बताई किंतु तहरीर के मुताबिक दहेज लोभियों ने उसकी प्रताड़ना बंद नहीं किया और उसकी हत्या करने की नियत से पति और सास मिलकर उसका गला दबाए और बुरी तरह मारा पीटा। बताते हैं कि इतने से भी मन नहीं भरा तो रात के खाने में उसकी सास ने कोई जहरीला पदार्थ मिलकर खिला दिया जिससे उसकी मौत होने से तो बच गई लेकिन उसकी हालत बेहद गंभीर हो गई जिसके बाद उसका दवा इलाज कराए बिना ही बीते अगस्त 2025 में उसे बीमारी की हालत में मारपीट कर घर से निकाल दिए। पीड़िता के अनुसार इस दौरान उसकी सास और ससुर ने उसके पिता द्वारा शादी में दी गई जेवरात भी छीन लिया गया। इस संबंध में विवाहिता बबिता की बातों को सच माना जाय तो उसके अनुसर उसकी सास द्वारा खाने में खिलाए गए जहरीला पदार्थ से बिगड़ी उसकी तबियत का आज भी उसके पिता द्वारा दवा इलाज कराया जा रहा है। बता दें कि बीमारी की हालत में भी वह अपने ससुराल वालों के आने और पुनः ससुराल जाने के इंतजार में मायके पिता के घर बदहवास हालत में बैठी बबिता ससुरालियों के न आने पर अब वह स्वयं को जहां पिता पर बोझ मान रही है वहीं पति व अन्य ससुरालियों से भी उसका मोह भंग हो चुका है। ऐसे में कुछ समझ न पाने वाली पीड़िता बबिता ने न्याय पाने के लिए बेटियों की रक्षा और सुरक्षा में तत्पर योगी पुलिस और सरकार की मिशन शक्ति पर भरोसा जताते हुए मुख्यमंत्री पोर्टल पर जरिए आईजीआरएस शिकायत कर दहेज लोभियों के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही किए जाने की गुजर लगाते हुए कहा है कि योगी के जिम्मेदार अधिकारियों से भी न्याय नहीं मिला तो वह आत्म हत्या कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर लेगी।

प्रयागराज में लगातार आठवें दिन भी भीषण गर्मी व लू के थपेड़े 26 अप्रैल तक पारा 46 डिग्री सेल्सियस पार कर जाएगा

प्रयागराज। गर्मी ने अब अपने तेवर और तीखे कर लिए हैं। आज मंगलवार की सुबह से ही प्रचंड धूप और लू के थपेड़ों ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। हालात ऐसे हैं कि सुबह 11 बजे ही तापमान 38 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। दिन चढ़ने के साथ ही भीषण गर्मी का वर्चस्व बढ़ता जा रहा है।

मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में तापमान और बढ़ेगा और 26 अप्रैल तक पारा 45 से 46 डिग्री सेल्सियस के पार जा सकता है। सोमवार को अधिकतम तापमान 44.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। वहीं मंगलवार को न्यूनतम तापमान 24.8 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। इसकी वजह से रात में भी गर्मी से राहत नहीं मिल पा रही है।

मंगलवार सुबह से ही गर्म हवाओं ने लोगों को झुलसाना शुरू कर दिया। सड़कों पर आम दिनों जैसी रौनक गायब नजर आई। जरूरी काम से निकलने वाले लोग भी सिर और चेहरे को गमछे या कपड़े से ढंककर चल रहे हैं। दोपहर होते-होते सड़कों पर सन्नाटा छा गया, मानो शहर ठहर सा गया हो। मौसम विभाग के अनुसार लू के असर से सुबह आर्द्रता मात्र 29 प्रतिशत दर्ज की गई, जबकि सोमवार शाम को तो यह घटकर महज 16 प्रतिशत रह गई थी।

मौसम विज्ञानी प्रो. सुनीत द्विवेदी कहते हैं कि कम आर्द्रता और तेज धूप मिलकर लू के प्रभाव को और अधिक खतरनाक बना रहे हैं। इस तरह का मौसम शरीर को तेजी से डिहाइड्रेट करता है, जिससे चक्कर आना, थकान और हीट स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। दिनचर्या पर भी गर्मी का साफ असर दिख रहा है। बाजारों में भीड़ कम हो गई है, लोग सुबह और शाम के समय ही जरूरी काम निपटाने की कोशिश कर रहे हैं। स्कूल जाने वाले बच्चों और बाहर काम करने वाले मजदूरों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विज्ञानियों का अनुमान है कि अगले पांच से छह दिनों तक गर्मी का यह प्रकोप जारी रहेगा। तेज धूप, गर्म हवाएं और शुष्क मौसम मिलकर स्थिति को और गंभीर बना सकते हैं। ऐसे में लोगों को दोपहर के समय घर से बाहर निकलने से बचने, पर्याप्त पानी पीने और हल्के कपड़े पहनने की सलाह दी गई है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी की प्रबंध समिति की बैठक सम्पन्न

जिलाधिकारी ने इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी में किए गए अवैध कब्जे को हटवाये जाने के लिए आवश्यक कार्यवाही करने के लिए कहा

प्रयागराज। मंगलवार को इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी, जिला शाखा प्रयागराज की प्रबंध समिति की बैठक का आयोजन जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में किया गया, जिसमें प्रबंध समिति द्वारा विभिन्न बिन्दुओ पर विचार विमर्श कर कई निर्णय लिए गए। प्रबंध समिति द्वारा एक महत्वपूर्ण बिन्दु पर निर्णय लिया गया कि शहर के बहादुरगंज स्थित इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी जिला शाखा प्रयागराज के भवन में अवैध रूप से कब्जा किए हुए श्री सुनील कुमार गिरी और श्री विजय कुमार मिश्रा के विरुद्ध माननीय उच्च न्यायालय में दाखिल-वाद की नियमानुसार पैरवी की जाए। जिसके लिए नगर मजिस्ट्रेट उपाध्यक्ष इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी प्रयागराज की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन किया गया और अवैध कब्जेदारों का कब्जा हटवाने का प्रयास यथाशीघ्र किया जाए तथा साथ ही जनहित में इंडियन रेडक्रॉस भवन बहादुरगंज में स्थित अर्बन पॉलीक्लिनिक में एक अल्ट्रासाउंड मशीन भी नियमानुसार स्थापित की जाए।

पुरानी रंजिश में लाठी डंडा से मार पीट कर लहुलुहान कर दिए मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। पुरानी रंजिश को लेकर विपक्षी एक राय हो कर लाठी डंडो से मार पीट कर जख्मी कर दिए।पुलिस ने पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम धानी का पूरा कल्याणपुर निवासी कमलेश कुमार पुत्र अलगू का आरोप है कि वह अपने घर के पास बैठा था तभी विपक्षी पुरानी रंजिश को लेकर एक राय होकर लाठी डंडा से मार कर घायल कर दिए। विरोध पर गालियां देते जान से मारने की धमकी दिए। जख्मी कमलेश कुमार ने मऊआइमा थाना में अजय पटेल, प्रमोद कुमार, विवेक कुमार,हलाईन देवी,रेनू के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है।

वर-वधू पक्ष में मारपीट के बाद दूल्हा व बराती बने बंधक, पंचायत के बाद बिन दुल्हन लौटी बरात

- प्रयागराज के होलागढ़ में पीड़ित दूल्हा अपनी बहन और स्वजन संग आपबीती सुनाता। जागरण
- वर पक्ष ने खराब खाना तो वधू पक्ष ने दहेज मांगने का लगाया आरोप
- गंगापार के होलागढ़ थाना क्षेत्र की घटना, दोनों पक्षों ने दी थाने में तहरीर

प्रयागराज। भगौतपुर खुटहना गांव में सोमवार रात आई खुशियों की बरात झगड़ा और हंगामे में बदल गई। वर और वधू पक्ष के बीच मारपीट हो गई। इसके बाद दूल्हा समेत कई बरातियों को बंधक बना लिया गया। पुलिस की मौजूदगी में कई घंटे तक हुई पंचायत के बाद बिना दूल्हन बरात लौट गई। वर पक्ष ने जहां खाना खराब होने का आरोप लगाया, वहीं वधू पक्ष ने दहेज में कार मांगने का आरोप लगाते हुए पुलिस से शिकायत की है।

बताया गया है कि मऊआइमा के गढ़चंपा गांव निवासी कमल नारायण पटेल के बेटे अवधेश कुमार की बारात सोमवार रात खुटहना गांव आई थी। द्वार पूजन और नाश्ते तक सब ठीक रहा, लेकिन भोजन के दौरान दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ा कि मारपीट होने लगी। इससे मामला बिगड़ गया।

आरोप है कि वधू पक्ष ने दूल्हा अवधेश, उसके पिता, बहन समेत कई बरातियों को बंधक बना लिया। जेवर भी छीन लिए। इससे अफरातफरी मची रही। लड़की के पिता रमेश चंद्र ने वर पक्ष पर दहेज में कार मांगने का आरोप लगाया। काफी देर तक हंगामा चला और फिर पुलिस की मौजूदगी में पंचायत भी हुई। हालांकि दोनों पक्ष राजी नहीं हुए और शादी टूट गई। इसके बाद बरात बिना दूल्हन के वापस चली गई।

जिलाधिकारी ने महर्षि पतंजलि विद्या मंदिर विद्यालय पहुंचकर जनगणना-2027 के प्रथम चरण हेतु प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों के चल रहे प्रशिक्षण का निरीक्षण किया

जिलाधिकारी ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे कामिंकी को पूरी तनमयता व सावधानी के साथ जनगणना से सम्बंधित बिंदुओं के बारे में अच्छे ढंग से प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए कहा

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा तथा नगर आयुक्त सीलम सांई तेजा मंगलवार को महर्षि पतंजलि विद्या मंदिर विद्यालय में पहुंचकर वहां चल रहे जनगणना-2027 के प्रथम चरण के कामिंकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण करते हुए प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे कामिंकों को पूरी तनमयता एवं सावधानी के साथ जनगणना से सम्बंधित बिंदुओं के बारे में अच्छे ढंग से प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए कहा। जनगणना के प्रथम चरण में मकानों तथा परिवारों के चिन्हीकरण का कार्य किया जाना है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रशिक्षण दे रहे प्रशिक्षकों

को यदि कहीं पर भी किसी भी विषय पर संदेह हो, तो उसके बारे में मास्टर टेज्नर से सहयोग प्राप्त कर सकते है। उन्होंने कामिंकों से कहा कि यह बहुत ही महत्वपूर्ण तथा देश सेवा तथा समाज सेवा से सम्बंधित कार्य है, इस कार्य को बहुत सावधानी व तनमयता के साथ किए जाने की आवश्यकता है, यह तभी सम्भव है जब आप सभी लोग जनगणना के नियमों एवं प्रावधानों के बारे में अच्छे से प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे।

जनगणना 2027 में जनगणना कर्मियों को सहयोग प्रदान करने की अपील भी किया कि आमलोगों के लिए स्वगणना की भी सुविधा इस बार प्रदान की गई है। दिनांक 07 मई 2026 से दिनांक 21 मई 2026 के दौरान रीूल्ल२४२ॅङ्म५.ल्ल पर जाकर आम आदमी अपने परिवार की स्व गणना कर सकते है।

उन्होंने कहा कि प्रगणक एवं पर्यवेक्षक के रूप में जो भी दायित्व सौंपे गये हे, उनको पूरी जिम्मेदारी के साथ समयबद्ध ढंग से सम्पादित किए जाने की आवश्यकता है। इस अवसर पर जनगणना श्री राजीव कुमार शुक्ला , अपर नगर आयुक्त नगर निगम प्रयागराज , जनगणना कार्य निदेशालय, लखनऊ से श्री अजय कुमार , उप निदेशक एवं श्री जे0के0 श्रीवास्तव- सहायक निदेशक व प्रशिक्षकों के अलावा अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

आग का कहर, सैकड़ों बीघा खेत जलकर राख

अखंड भारत संदेश

कुंडा। बाघराय थाना क्षेत्र में मंगलवार दोपहर खेतों में अचानक लगी भीषण आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि बदली का पुरवा, पुवासी मथुरा का पुरवा भटपुरवा और बोध राम का पुरवा समेत कई गांवों के सैकड़ों बीघा खेत उसकी चपेट में आ गए। तेज पछुआ हवा के कारण आग का दायरा लगातार बढ़ता चला गया और पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। खेतों से उठता काले धुएं का गुबार कई किलोमीटर दूर से देखा जा सकता था।प्रत्यक्षदर्शी ग्रामीणों के अनुसार दोपहर लगभग 1 बजे बदली का पूर्वा के पास एक खेत से आग की पहली लपट उठती देखी गई। आशंका है कि किसी चिंगारी या शार्ट सर्किट से आग लगी होगी। उस समय तेज पछुआ हवा चल रही थी। हवा के साथ आग ने रौद्र रूप ले लिया और देखते ही देखते पुवासी मथुरा का पुरवा,भटपुरवा और बोध राम का पूर्वा के खेतों को अपनी आगोश में ले लिया। खेतों में गेहूं कटाई के बाद रखा किसानों का तैयार भूसा, पुआल और फसल अवशेष जलकर राख हो गए।घटना की सूचना मिलते ही आसपास के सैकड़ों ग्रामीण लाठी-डंडे, बाल्टी और पंपिंग सेट लेकर खेतों की ओर दौड़ पड़े। ग्रामीणों ने हरे पेड़ों की डालियों से पीट-पीटकर आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। इसी बीच सूचना पर फायर ब्रिगेड की गाड़ियां भी मौके पर पहुंच गईं। लेकिन तेज हवा के कारण फायर ब्रिगेड के कर्मियों को आग पर काबू पाने में भारी मशक्कत का सामना करना पड़ा। फायर कर्मी एक तरफ आग बुझाते तो हवा के साथ लपटें दूसरी तरफ फैल जातीं।आग से सबसे ज्यादा नुकसान किसानों के भूसे का हुआ है। किसान पूरे साल पशुओं के चारे के लिए भूसे का भंडारण करते हैं। आग में सैकड़ों ट्राली भूसा जलकर खाक हो गया। कई किसानों की साल भर की मेहनत एक घंटे में राख हो गई। नुकसान का सही आकलन आग पूरी तरह बुझने और राजस्व टीम के सर्वे के बाद ही हो पाएगा।आग की लपटें आबादी की तरफ बढ़ता देख बोध राम का पुरवा और भटपुरवा के ग्रामीण भयभीत हो गए। लोगों ने अपने घरों से जरूरी सामान और मवेशियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना शुरू कर दिया। महिलाएं और बच्चे सहमे हुए दिखाई दिए। क्षेत्र में दहशत का माहौल व्याप्त है। समाचार लिखे जाने तक फायर ब्रिगेड की टीम और ग्रामीण आग बुझाने में जुटे हुए थे।

जेसीबी की चपेट में आने से मजदूर की मौत

पट्टी। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के कंजा सराय गुलामी स्थित विमला ईंट उद्योग में मंगलवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। ईंट भट्ठे पर मजदूरी कर रहे एक श्रमिक की जेसीबी मशीन से चोट लगने के कारण मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद भट्ठा परिसर में अफरा-तफरी मच गई और मजदूरों में दहशत फैल गई।

मृतक की पहचान संजय वनवासी पुत्र शंकर लाल वनवासी निवासी बुर्रा, सुल्तानपुर थाना रानीगंज, जनपद प्रतापगढ़ के रूप में हुई है। उसकी उम्र लगभग 45 वर्ष बताई जा रही है। परिजनों के अनुसार संजय कई दिनों से विमला ईंट उद्योग में मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहा था।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, संजय रोज की तरह अपने काम में जुटा हुआ था। इसी दौरान भट्ठे पर चल रही जेसीबी मशीन की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा इतना भयावह था कि मौके पर मौजूद लोग कुछ समझ पाते, उससे पहले ही उसकी हालत बिगड़ गई और उसकी मौत हो गई।घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों की भारी भीड़ मौके पर जुट गई। सूचना पर पुलिस भी तत्काल पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी है। इस संबंध में चौकी इंचार्ज शुभम सिंह ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। फिलहाल परिजनों की ओर से कोई प्रार्थना पत्र नहीं दिया गया है। तहरीर मिलने पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।घटना के बाद मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मजदूर की अचानक मौत से गांव और भट्ठा क्षेत्र में शोक का माहौल बना हुआ है।

न्यूज झरोखा

पिकअप की टक्कर से टूटा है विद्युत लाइन का पोल

कुंडा। विद्युत सप्लाई विद्युत उपकेंद्र बाहोरिकपुर से जुड़े लखपेड़ा फीडर की पास हाई टेंशन विद्युत लाइन के तार को सोमवार की रात पिकअप वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे विद्युत पोल टूट कर गिर गया सूचना के आसपास के लोग मौके पर जुड़ गए और मामले की सूचना विद्युत विभाग और पुलिस को पुलिस ने पिकअप को चालक समेत हिरासत में ले लिया ।पिकअप पर सोलर पैनल लदा था इस संबंध में जेई श्यामलाल का कहना है कि शाम तक विद्युत पोल बदलकर विद्युत आपूर्ति बहाल किए जाने की संभावना है ।विद्युत पोल टूटने से मध्य रात्रि से ही दर्जन भर से अधिक लखपेड़ा फीडर के गांव के विद्युत सप्लाई बाधित हो गई।

शिक्षकों का तीन दिवसीय जनगणना प्रशिक्षण हुआ शुरू

समस्याओं को लेकर प्राथमिक शिक्षक संघ ने तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

लालगंज। नगर स्थित हेमवती नंदन बहुगुणा पीजी कालेज में मंगलवार से तीन दिवसीय जनगणना प्रशिक्षण शुरू हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रथम चरण में कुल तीन सौ तैतालिस शिक्षक प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। जिन्हें डिजिटल एप से जनगणना करने को लेकर प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रशिक्षण के साथ कुल चौदह प्रशिक्षक शिक्षकों को प्रशिक्षण दे रहे हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन खण्ड शिक्षा अधिकारी सांगीपुर जंगीलाल मौर्य की देखरेख मे किया जा रहा है। इधर प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लाक अध्यक्ष संतोष कुमार मिश्र की अगुवाई में शिक्षकों ने तहसीलदार गरिमा वर्मा को ज्ञापन सौंपकर वरिष्ठता व कनिष्ठता के आधार पर डयूटी लगाए जाने की मांग की। इस मौके पर शिक्षक नेता प्रभाकर दुबे, राजेशचंद्र पाण्डेय, धर्मेन्द्र शुक्ल, हिमांशु ओझा, कमलेश मिश्र, कामना त्रिपाठी, अरूण पाण्डेय, आशुतोष शुक्ल, अजय यादव, अविनाश यादव, पन्नालाल, अम्बरीश मिश्र, उमेश मिश्र आदि मौजूद रहे।

पीड़ित पर मुकदमा वापस लेने का बना रहे दबाव, शिकायत

पट्टी। आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के पूरेधनी गांव में हुए चर्चित गोलीकांड के मामले में अब पीड़ित परिवार पर मुकदमा वापस लेने का दबाव बनाया जा रहा है। जान से मारने की धमकी मिलने के बाद पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ से न्याय और सुरक्षा की गुहार लगाई है। पूरेधनी गांव निवासी निर्मला देवी पत्नी ब्रह्मदेव ने मंगलवार दोपहर करीब 1 बजे एसपी कार्यालय पहुंचकर प्रार्थना पत्र सौंपा। आरोप है कि उनके बेटे विजय उर्फ सोनू उपाध्याय को बीते 11 दिसंबर 2025 को जौनपुर जनपद के हिस्ट्रीशीटर शोले सिंह ने अपने अज्ञात साथियों के साथ गोली मार दी थी। पीड़िता का कहना है कि अब आरोपी पक्ष लगातार मुकदमा वापस लेने का दबाव बना रहा है। केस वापस न लेने पर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी जा रही है। आरोपी द्वारा गाली-गलौज और धमकी देने की ऑडियो रिकॉर्डिंग भी महिला ने एसपी को सौंपते हुए सुरक्षा की मांग की है ।बताया जा रहा है कि इसी माह न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने आरोपी के घर पर कुर्की की कार्रवाई भी की थी, लेकिन इसके बावजूद मुख्य अभियुक्त अब तक पुलिस गिरफ्त से बाहर है। आरोपी की गिरफ्तारी न होने से पुलिस की कार्यशैली पर भी सवाल उठने लगे हैं ।पीड़ित परिवार ने एसपी से निष्पक्ष कार्रवाई, आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी और परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

जमीन विवाद में चले लाठी-डंडे, पांच घायल

पट्टी। जमीन के एक छोटे से टुकड़े को लेकर मंगलवार की सुबह पट्टी कोतवाली क्षेत्र के रायगढ़ गांव में ऐसा बवाल मचा कि पूरा गांव दहल उठा। देखते ही देखते कहासुनी खूनी संघर्ष में बदल गई और लाठी-डंडों से हुई जमकर मारपीट में महिलाओं समेत पांच लोग लहूलुहान हो गए। घटना सुबह करीब 9 बजे की बताई जा रही है। ग्रामीणों के मुताबिक, जमीन के पुराने विवाद को लेकर दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। पहले तीखी नोंक-झोंक हुई, फिर गुस्सा इतना बढ़ा कि लाठी-डंडे चलने लगे। चीख-पुकार सुनकर मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई। मार-पीट में साहेब पुत्र शरीफ, मोमीना पत्नी शफीक, असगर पुत्र इसराइल, अली हसन और मोहम्मद हुसैन गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही एंबुलेंस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया, जहां उनका इलाज जारी है।घटना की खबर मिलते ही पट्टी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को काबू में किया। पुलिस ने घायलों का मेडिकल कराते हुए पीड़ित पक्ष की तहरीर पर जांच शुरू कर दी है। गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है, जबकि पुलिस पूरे मामले की छान-बीन में जुटी है।

गेहूं के अवशेष में लगी भीषण आग, गांव में मचा हड़कंप

पट्टी। तहसील क्षेत्र के उपाध्यायपुर गांव में गेहूं के अवशेष में अचानक भीषण आग लगने से गांव में अफरा-तफरी मच गई। आग की तेज लपटें और धुएं का गुबार उठता देख ग्रामीण घबरा गए और तत्काल मौके पर पहुंचकर आग बुझाने में जुट गए। देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए और बाल्टी, पाइप व अन्य संसाधनों से आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू कर दिया ।घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड टीम भी मौके पर पहुंच गई। ग्रामीणों के अथक प्रयास और फायर ब्रिगेड कर्मियों की तत्परता से आग को फैलने से रोक लिया गया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। यदि समय रहते आग पर नियंत्रण नहीं पाया जाता तो आसपास के खेतों और मकानों को भी भारी नुकसान हो सकता था ।ग्राम उपाध्यायपुर निवासी योगेश तिवारी ने बताया कि अचानक खेत में रखे गेहूं के अवशेष में आग भड़क उठी, जिससे लोग दहशत में आ गए। सूचना पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने तेजी से कार्रवाई करते हुए आग बुझा दी ।इस संबंध में फायर ब्रिगेड के केवल सिंह और योगेश प्रताप ने बताया कि आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया है और स्थिति अब सामान्य है। घटना के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।

शादी की जिद में टावर पर चढ़ी प्रेमिका घंटों चला हाईवोल्टेज ड्रामा

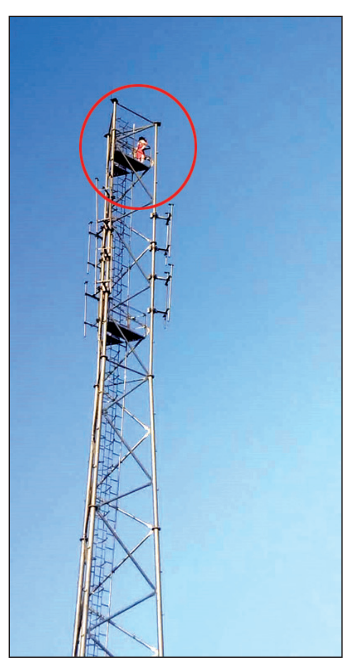

पट्टी। कोतवाली क्षेत्र के बंधवा बाजार में मंगलवार की सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब प्रेमी से शादी की जिद लेकर एक युवती सीधे मोबाइल टावर पर चढ़ गई। टावर के ऊपर खड़ी युवती जोर-जोर से शादी कराने की मांग करने लगी। देखते ही देखते बाजार में सैकड़ों लोगों की भीड़ जुट गई और पूरा इलाका तमाशा बन गया।घटना सुबह करीब 8 बजे की बताई जा रही है ।जानकारी के अनुसार, सलाहपुर गांव निवासी श्रद्धा पुत्री मनीराम का गांव के ही एक युवक से लंबे समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों के बीच शादी की बात भी चल रही थी, लेकिन अचानक युवक ने शादी से इनकार कर दिया। बस फिर क्या था प्रेमिका का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। गुस्से और आक्रोश में युवती सीधे बंधवा बाजार स्थित जिओ टावर पर जा चढ़ी और ऊपर से चिल्लाने लगी कि शादी कराओ, नहीं तो जान दे दूंगी। यह सुनते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। राहगीर रुक गए, दुकानदार बाहर निकल आए और कुछ ही देर में पूरा बाजार लोगों से भर गया। सूचना मिलते ही चौकी इंचार्ज अनीश यादव पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने पहले युवती को शांत कराने की कोशिश की, लेकिन वह प्रेमी को मौके पर बुलाने की जिद पर अड़ी रही। आखिरकार प्रेमी को बुलाया गया, काफी देर तक मान-मनौवल चली, तब जाकर युवती टावर से नीचे उतरी ।पुलिस ने राहत की सांस लेते हुए तुरंत परिजनों को सूचना दी। परिजन चौकी पहुंचे और युवती को अपने साथ घर ले गए। चौकी इंचार्ज अनीश यादव ने बताया कि युवती को सुरक्षित नीचे उतार लिया गया है, मामला शांत करा दिया गया है ।घटना के बाद पूरे बंधवा बाजार में दिनभर इसी प्रेम कहानी और टावर ड्रामे की चर्चा होती रही।

पत्नी ने प्रेमी व साथी संग मिलकर घोंटा पति का गला, तीनों गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

कुंडा। पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ दीपक भूकर के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे सघन अभियान के क्रम में थाना हथिगवां पुलिस एवं स्वाट टीम को संयुक्त कार्यवाही में बड़ी सफलता हाथ लगी है। थाना क्षेत्र के बहुचर्चित पति हत्याकांड का खुलासा करते हुए पुलिस ने मृतक की पत्नी सहित तीन हत्यारोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में सुभाष पाल पुत्र स्व० रामप्यारे पाल निवासी ग्राम बसवाही थाना कुण्डा, गुड्डू पटेल पुत्र मेवालाल पटेल निवासी ग्राम बलीपुर थाना हथिगवां तथा मृतक की पत्नी रीना यादव पत्नी स्व० देवीदीन यादव निवासी ग्राम तुला का पुरवा बेंती थाना हथिगवां उम्र लगभग 24 वर्ष शामिल हैं। पूरा मामला थाना हथिगवां क्षेत्र के ग्राम तुला का पुरवा, मजरा बेंती का है। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी बृजनन्दन राय एवं क्षेत्राधिकारी कुण्डा अमरनाथ गुप्ता के कुशल पर्यवेक्षण में एक संयुक्त टीम का गठन किया गया। इस टीम में थाना हथिगवां से निरीक्षक सत्येन्द्र सिंह के नेतृत्व में उ0नि0 राधेश्याम सिंह, उ0नि0 अजय कुमार, उ0नि0 विवेक पाण्डेय, म0उ0नि0 राखी सिंह तथा स्वाट टीम से प्रभारी उ0नि0 अमित कुमार चौरसिया के नेतृत्व में उ0नि0 दिनेश सिंह, हेड कांस्टेबल राजेन्द्र कुमार, हेड कांस्टेबल सनोज, कांस्टेबल अरविन्द दुबे, कांस्टेबल जागीर सिंह, कांस्टेबल सलमान, कांस्टेबल आशुतोष व चालक बाबूलाल को शामिल किया गया। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि मृतक की पत्नी रीना यादव के संबंध सुभाष पाल से थे और गुड्डू पटेल भी इसमें सहयोगी था। पति देवीदीन यादव के विरोध करने पर तीनों ने मिलकर उसकी हत्या की साजिश रची। योजनाबद्ध तरीके से 18/19 अप्रैल की रात में देवीदीन का गला घोंटकर हत्या कर दी गई और शव को घर के बाहर चारपाई पर डाल दिया गया, ताकि मामला स्वाभाविक मौत का लगे ।जांच के दौरान मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि हत्याकांड में शामिल तीनों अभियुक्त डीहा स्थित दुआर नाला के पास मौजूद हैं और कहीं भागने की फिराक में हैं। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए थाना हथिगवां पुलिस एवं स्वाट टीम ने संयुक्त रूप से घेराबंदी कर तीनों अभियुक्तों सुभाष पाल, गुड्डू पटेल और रीना यादव को गिरफ्तार कर लिया ।पूछताछ में अभियुक्ता रीना यादव ने अपने सहयोगियों सुभाष पाल एवं गुड्डू पटेल के साथ मिलकर उक्त हत्या की घटना को अंजाम देना स्वीकार किया है। पुलिस द्वारा तीनों अभियुक्तों के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्यवाही प्रचलित है। पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर ने बताया कि प्रतापगढ़ पुलिस द्वारा अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही सतत जारी है। जघन्य अपराधों में लिप्त किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा।

27 अप्रैल को निकलेगी गौ सम्मान रैली, विहिप ने मांगी अनुमति

पट्टी। विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारियों ने 27 अप्रैल को प्रस्तावित गौ सम्मान रैली को लेकर मंगलवार दोपहर उपजिलाधिकारी पट्टी पूर्णेन्दु मिश्रा से मुलाकात कर अनुमति पत्र सौंपा। संगठन की ओर से बताया गया कि गौ सम्मान अभियान के अंतर्गत पट्टी कस्बे में सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक रैली निकाली जाएगी ।इस दौरान जिला अध्यक्ष नागेंद्र मिश्र, जिला प्रभारी विनय तिवारी, रामचरित वर्मा, नंदन चतुवेर्दी, दिनेश तिवारी, राकेश तिवारी, मनोज मिश्रा, शुभम शांडिल्य, दुर्गेश कुमार सिंह, जय सिंह यादव, अंबिकेश तिवारी समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। पदाधिकारियों ने पत्र में उल्लेख किया कि रैली पूर्णतः शांतिपूर्ण, अहिंसक और अनुशासित ढंग से संपन्न कराई जाएगी। रैली के उपरांत महामहिम राष्ट्रपति एवं राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन भी सौंपा जाएगा ।उपजिलाधिकारी पूर्णेन्दु मिश्रा ने बताया कि अनुमति देने से पहले पुलिस विभाग से आख्या मांगी गई है। रिपोर्ट मिलने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जमीन विवाद में टॉवर पर चढ़ी युवती पुलिस के समझाने पर उतरी

प्रतापगढ़। जमीनी विवाद में विपक्षियों पर परेशान करने का आरोप लगाते हुए मंगलवार की सुबह एक युवती टावर पर चढ़ गयी। मामले की जानकारी होने पर हडकंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह समझा बुझाकर युवती को नीचे उतरवाया। पुलिस ने दोनों पक्ष का समझौता कराकर मामले को शान्त करा दिया। लीलापुर थाना क्षेत्र के देवली गांव में कल्लू वर्मा का विपक्षी रामफेर वर्मा से जमीन का विवाद चल रहा है। मामले को लेकर कोर्ट में वाद भी दायर है। इसे लेकर कल्लू वर्मा की पुत्री दामिनी सुबह करीब पांच बजे गांव स्थित टॉवर पर चढ़ गयी। पीड़िता का आरोप है कि विपक्षी रामफेर पुत्र राम आनन्द वर्मा उसके हिस्से की जमीन पर अवैध रूप से कब्जा कर रहे हैं। मामले की शिकायत करने पर पुलिस भी सुनवाई नही कर रही है। इसलिए न्याय को लेकर उसे टॉवर पर मजबूरन चढ़ना पड़ा। फिलहाल पुलिस किसी तरह समझा बुझाकर युवती को टॉवर से नीचे उतरवाया और थाने ले गयी। जहां दोनों पक्ष के बीच समझौता करा दिया गया। प्रभारी निरीक्षक अमला सिंह का कहना है कि कल्लू पक्ष से दामिनी व रामफेर पक्ष से संत कुमारी के बीच समझौता करा दिया गया है, दो दिनों के अंदर राजस्व व पुलिस को सूचित करने के साथ ही लोग पैतृक जमीन का बंटवारा करके अपने हिस्से पर काबिज होकर कार्य करेंगे। मामले में शांति व्यवस्था बनी हुई है।

पत्नी की हत्या कर शव जलाने की फिराक में था पति, पुलिस ने दबोचा

कुंडा। थाना बाघराय पुलिस को एक बड़ी कामयाबी मिली है। थाना क्षेत्र के चर्चित पत्नी हत्या कांड में फरार चल रहे आरोपी पति सुनील कुमार पुत्र राम कैलाश गौतम निवासी ग्राम काशीपुर धमावा, थाना बाघराय उम्र करीब 37 वर्ष को पुलिस ने मुखबिर की सटीक सूचना पर भाव चौराहा के पास से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी घटना के बाद से ही फरार चल रहा था और पुलिस की टीमें उसकी तलाश में लगातार दबिश दे रही थीं।प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना बाघराय क्षेत्र के एक वादी द्वारा थाने में तहरीर देकर अवगत कराया गया था कि उसकी भांजी की शादी लगभग 8 वर्ष पूर्व सुनील कुमार के साथ हुई थी। वादी का आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष द्वारा उसकी भांजी को लगातार दहेज के लिए प्रताड़ित किया जा रहा था। आए दिन मारपीट और मानसिक उत्पीड़न से तंग आकर कई बार मृतका ने अपने मायके वालों से शिकायत भी की थी।वादी के अनुसार दिनांक 18.04.2026 की रात्रि में पति सुनील कुमार द्वारा उसकी भांजी की हत्या कर दी गई। आरोप है कि हत्या के बाद आरोपी ने घटना को छुपाने के लिए मृतका के मायके पक्ष को बिना कोई सूचना दिए गुप्त रूप से अंतिम संस्कार की तैयारी शुरू कर दी थी। किसी तरह मायके वालों को घटना की भनक लगी तो उन्होंने तत्काल थाना बाघराय पहुंचकर पूरे मामले की जानकारी दी। तहरीर के आधार पर 01 नामजद अभियुक्त सुनील कुमार के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत कर जांच शुरू की गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर ने तत्काल आरोपी की गिरफ्तारी के निर्देश दिए ।इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी बृजनन्दन राय एवं क्षेत्राधिकारी सदर करिश्मा गुप्ता के कुशल पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष बाघराय श्रवण कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम में का0 सौरभ शर्मा, का0 मानवेन्द्र सिंह व चालक हे0का0 राजाराम सिंह शामिल रहे। गठित टीम द्वारा आरोपी की गिरफ्तारी हेतु संभावित स्थानों पर लगातार दबिश दी जा रही थी। साथ ही क्षेत्र में वांछित, वारंटी अभियुक्तों एवं संदिग्ध व्यक्तियों की सघन चेकिंग भी की जा रही थी। इसी दौरान पुलिस टीम को मुखबिर खास से सूचना प्राप्त हुई कि हत्या के मामले में वांछित अभियुक्त सुनील कुमार भाव चौराहा के पास मौजूद है और कहीं बाहर भागने की फिराक में है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए थानाध्यक्ष श्रवण कुमार ने तत्काल टीम के साथ बताए गए स्थान की घेराबंदी की।

अज्ञात कारणों से लगी आग, गृहस्थी राख

प्रतापगढ़। अज्ञात कारणो से लगी आग से गृहस्थी के सामान जलकर राख हो गये। लीलापुर थाना क्षेत्र के सरायताल मकईपुर गांव निवासिनी बब्बू सिंह की पत्नी अनीता सिंह के अनुसार बीती बीस अप्रैल की रात उसके छप्पर मे आग लग गयी। सूचना पर पहुंची फायर बिग्रेड की टीम ने ग्रामीणों के सहयोग से किसी तरह आग पर काबू पाया लेकिन तब तक गृहस्थी के अधिकांश सामान जलकर राख हो गये। पीड़िता ने पडोस के कुछ लोगों पर आगजनी का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है। प्रभारी निरीक्षक अमला सिंह का कहना है कि जांच के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

फर्जी खतौनी से जमीन हड़पने वाला अभियुक्त गिरफ्तार

कुंडा। पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ दीपक भूकर के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे सघन अभियान के क्रम में थाना कुण्डा पुलिस को एक महत्वपूर्ण सफलता हाथ लगी है। थाना क्षेत्र में फर्जी खतौनी व अभिलेख कूटरचना कर पैतृक भूमि हड़पने के प्रयास के बहुचर्चित मामले में वांछित चल रहे अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, वादी निवासी थाना कुण्डा द्वारा थाना कुण्डा में तहरीर दी गई थी कि ग्राम बरई स्थित उसकी पैतृक भूमि के संबंध में विपक्षीगणों द्वारा कूटरचना कर फर्जी खतौनियां तैयार की गईं। आरोप है कि उक्त फर्जी दस्तावेजों को न्यायालय में प्रस्तुत कर राजस्व अभिलेखों में छेड़छाड़ की गई। वादी का आरोप है कि यह पूरा कृत्य राजस्व अभिलेखागार के कुछ कर्मचारियों की मिलीभगत से अंजाम दिया गया। जब वादी द्वारा जनसूचना अधिकार अधिनियम के तहत सूचना मांगी गई, तो संबंधित दस्तावेज फर्जी एवं कूटरचित पाए गए। उन दस्तावेजों पर अभिलेखागार की मुहर व हस्ताक्षर भी असत्य पाए गए। सक्षम चकबंदी न्यायालय ने भी उन अभिलेखों को संदिग्ध माना है। प्रार्थी का आरोप है कि धोखाधड़ी पूर्वक उसकी संपत्ति हड़पने का प्रयास किया जा रहा था। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी बृजनन्दन राय एवं क्षेत्राधिकारी कुण्डा अमरनाथ गुप्ता के कुशल पर्यवेक्षण में तथा थाना प्रभारी कुण्डा मनोज कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित टीम में उ0नि0 निर्मल शर्मा, का0 विशाल मौर्या, का0 अजीत कुमार व म0का0 पूजा यादव शामिल रहे। पुलिस टीम द्वारा क्षेत्र में वांछित अभियुक्तों, वारंटी अभियुक्तों एवं संदिग्ध व्यक्तियों की सघन चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सटीक सूचना प्राप्त हुई कि संबंधित वांछित अभियुक्त संगमलाल यादव अपने घर के पास मौजूद है। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने घेराबंदी कर अभियुक्त संगमलाल यादव पुत्र स्व० हरिद्वारी प्रसाद यादव निवासी मंहगूलाल का पुरवा, बरई थाना कुण्डा जनपद प्रतापगढ़ को उसके घर के पास से गिरफ्तार कर लिया ।पुलिस द्वारा गिरफ्तार अभियुक्त से पूछताछ की जा रही है। मामले में अन्य नामजद अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए भी पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। थाना प्रभारी मनोज कुमार पाण्डेय ने बताया कि कानून के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। राजस्व अभिलेखों में फजीवाड़ा कर लोगों की संपत्ति हड़पने वालों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

तेज रफ्तार डंफर ट्रक ने बाइक सवार को रौंदा, बाइक चालक की मौके पर मौत

सड़क निर्माण में लगी कंपनी के डंपर में दुर्घटना को अंजाम किया है और कंपनी में फिर शामिल हो गया है तेज रफ्तार का कहर

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र में मंगलवार की शाम बाइक सवार को डंपर में सामने से जोरदार टक्कर मार दिया है टक्कर लगते ही बाइक सवार युवक कई फीट दूर जाकर गिरा, वहीं घटना को अंजाम देने के बाद डम्फर चालक मौके से फरार हो गया। इस दुर्घटना में बाइक चालक की मौके पर मौत हो गई साथ उसकी बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई, घटना की सूचना पर कोखराज पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल में जुटी हुई है। बताया जाता है कि सड़क निर्माण में लगी कंपनी के डंपर में दुर्घटना को अंजाम किया है और कंपनी में फिर शामिल हो गया है। जानकारी के मुताबिक कोखराज थाना क्षेत्र के नगर पालिका परिषद भरवारी स्थित असवा गांव के पास राम वनगमन मार्ग हाइवे पर परसरा गांव निवासी लव सिंह उम्र 35 वर्ष पुत्र स्व. हरि प्रसाद मंगलवार की शाम लगभग 6:00 बजे बाइक लेकर चरवा किसी काम से जा रहा था,जैसे ही वह असवा गांव के पास पहुंचा तभी रॉन्ग साइड से आ रही डंफर ट्रक ने उसे जोरदार सामने से टक्कर मार दी, टक्कर लगते ही बाइक सवार कई फीट दूर जाकर गिरा घटना को अंजाम देने के बाद चालक मौके से फरार हो गया ।वहीं मौके पर जैसे ही लोग पहुंचे बाइक सवार की मौत हो गई ।घटना की जानकारी स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी ,सूचना पर पहुंची कोखराज थाना पुलिस ने पंचनामा के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है ।वहीं घटना के बाद से मृतक के परिजन भी रोते बिलखते घटनास्थल पर पहुंचे।

एसपी ने की जनसुनवाई, फरियादियों की समस्याओं को सुना

समाधान हेतु दिए आवश्यक दिशा निर्देश

कौशांबी पुलिस कार्यालय कौशाम्बी में पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण द्वारा दिनांक 21.04.2026 को आम जनमानस की समस्याओं के प्रभावी निस्तारण हेतु जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इस दौरान जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों ने अपनी समस्याओं से संबंधित प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किए,जिन्हें पुलिस अधीक्षक द्वारा अत्यंत ध्यानपूर्वक सुना गया मामलों की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने संबंधित थाना प्रभारियों एवं शाखा प्रभारियों को मौके पर जाकर त्वरित और निष्पक्ष जांच करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिकायतों का निस्तारण केवल कागजी न होकर गुणवत्तापूर्ण होना चाहिए,जिससे पीड़ित व्यक्ति को वास्तविक न्याय और राहत मिल सके। सभी पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत को समयबद्ध तरीके से निस्तारित किया जाए।

व्यापारी पर दबंगों ने किया प्राण घातक हमला हालत गंभीर

अखंड भारत संदेश

डीजे और रोड लाइट में भी दबंगों ने तोड़फोड़ कर किया बड़ा नुकसान

प्राण घातक हमले के मामले में ना तो हमलावरों की पुलिस ने की गिरफ्तारी और हमला करने वालों पर मुकदमा भी नहीं दर्ज हुआ

कौशांबी चरवा थाना क्षेत्र के बरियावा गांव निवासी व्यापारी पर बीती रात 11 बजे बालीपुर टाटा गांव में प्राण घातक हमला किया गया है जिससे उन्हें गंभीर चोट आई है घायल व्यापारी को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है जहां उनका इलाज चल रहा है मामले की सूचना थाना पुलिस को दी गई है लेकिन खबर लिखे जाने जाने तक ना तो थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है और ना ही हमला करने वाले आरोपियों की गिरफ्तारी पुलिस ने किया है डीजे और रोड लाइट में भी दबंगों ने तोड़फोड़ कर किया है जिससे व्यापारी का बड़ा नुकसान हुआ है। जानकारी के मुताबिक रोहित केशरवानी पुत्र इंदो लाल निवासी बरियावा थाना चरवा डीजे रोडलाइट बुकिंग का व्यापारी है 17 अप्रैल को वह गणेशी प्रसाद फतेह पुरवा बरियावा के यहां रोड लाइट और डीजे के कार्यक्रम का आर्डर लिया था जहां गया था गाना बजाने को लेकर दबंगों से बहस हुआ जिसके बाद वहां भी उसके साथ धक्का मुक्की गाली गलौज दबंगों ने किया और तीन दिन बाद 20 अप्रैल को जयकरन बालीपुर टाटा के यहां बारात में डीजे रोड लाइट लेकर रोहित केशरवानी गया था रात 11 बजे रोहित केशरवानी वापस लौट रहा था योजना बद्ध तरीके से लाठी डंडा लोहे के रॉड लेकर के आधा दर्जन दबागों ने रोहित को बीच सड़क पर रास्ते में रात 11:00 बजे रोक लिया गाली गलौज करते हुए जान से मारने की कोशिश करते हुए रोहित पर लाठी डंडा लोहे के रॉड से प्राण घातक हमला किया बीच सड़क पर अकेले व्यापारी को आधा दर्जन दबंगों को ने लाठी डंडे लोहे के रॉड से बेरहमी से मारा पीटा गया जिससे रोहित को गंभीर चोटे लगी है परिवार के लोगों को जब मामले की जानकारी हुई तो घायल अवस्था में रोहित को अस्पताल पहुंचाया गया है जहां उसका इलाज चल रहा है लेकिन हालत गंभीर बताई जाती है 21 अप्रैल को मामले की सूचना थाना पुलिस को दी गई है लेकिन थाना पुलिस के मामले में मुकदमा नहीं दर्ज किया हमला करने वाले दबंग की गिरफ्तारी नहीं की है इसलिए पुलिस की भूमिका पर सवाल खड़े हो गए हैं अब सवाल उठता है कि व्यापारी कैसे सुरक्षित होगा और कैसे उसके साथ होने वाली घटनाओं पर रोक लगेगी इतना ही नहीं आधी रात को व्यापारी के साथ मारपीट के दौरान दबंगों ने उसके डीजे और रोड लाइट में जमकर तोड़फोड़ किए जिससे डीजे रोड लाइट में लाखों रुपए का नुकसान हुआ है अब व्यापारी के नुकसान की कौन भरपाई करेंगे अब यह भी सवाल खड़ा है।

डीएम ने भूमि विवादों के निस्तारण की स्थिति का किया स्थलीय सत्यापन

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ.अमित पाल ने टॉप-10 भूमि विवादों का मौके पर समाधान अभियान के अन्तर्गत आज तहसील सिराथू की ग्राम सैनी में आयोजित कैम्प में भूमि विवादों के निस्तारण की स्थिति का स्थलीय सत्यापन किया जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी योगेश कुमार गौड़ एवं क्षेत्राधिकारी सत्येन्द्र तिवारी को मौके पर जाकर समस्या को निस्तारित करने के निर्देश दिए। कैम्प में कुल 08 शिकायतें प्राप्त हुई। राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा सभी शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया।कैम्प में प्रधानाध्यापक,प्राथमिक विद्यालय सैनी ने बताया कि स्कूल के पास ही ग्राम समाज की भूमि है, जिसे खेल के मैदान के रूप में विकसित किया जा सकता है, जिस पर जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी को भूमि का सीमांकन कराकर संबंधित अधिकारी से समन्वय कर खेल के मैदान के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए, जिस पर उप जिलाधिकारी ने प्राथमिक विद्यालय के पीछे 17 बिस्वा खेल के मैदान को अभिलेखों में तत्काल दुरुस्त कराकर चिन्हांकन करवाया। कैम्प में बताया गया कि पूर्व प्रधान ने पंचायत भवन के एक कक्ष को कब्जा कर रखा है, जिस पर जिलाधिकारी ने जिला पंचायतराज अधिकारी को तत्काल मौके पहुंचकर पंचायत भवन के कक्ष को कब्जा मुक्त कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने ग्राम के सार्वजनिक मार्ग पर अतिक्रमण को हटवाने एवं इंटरलॉकिंग के कार्य को पूर्ण कराने की शिकायत पर उप जिलाधिकारी, उपायुक्त मनरेगा मनोज वर्मा व खण्ड विकास अधिकारी को मौके पर जाकर अतिक्रमण हटवाकर इंटरलॉकिंग के कार्य को पूर्ण करवाने के निर्देश दिए,जिस पर उप जिलाधिकारी ने मुरैना का पूरा में रास्ते की समस्या का तत्काल मौका मुआयना कर एसडीओ विद्युत को विद्युत पोल हटवाने के निर्देश दिए जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी से कहा कि आइ.जी.आर.एस.,सीएम हेल्पलाइन एवं आमजन की शिकायतों को गंभीरता से लिया जाए। राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम को मौके पर भेजकर समस्या को निस्तारित कराई जाए।

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया क्लब ने दोषी पुलिस कर्मियों के निलंबन व कड़ी वैधानिक कारवाई की उठाई जोरदार मांग

अखंड भारत संदेश

पत्रकार उत्पीड़न के गंभीर मामले में उबाल :

कौशाम्बी जनपद में पत्रकार उत्पीड़न का एक गंभीर मामला सामने आया है, जिससे पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली और कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया क्लब, कौशाम्बी द्वारा मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से सौंपते हुए दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की गई है।ज्ञापन के अनुसार,थाना सराय अकिल क्षेत्र के कनैली चौकी से जुड़ा यह प्रकरण बेहद चिंताजनक है। सोशल मीडिया पर वायरल एक ऑडियो में थाना प्रभारी वीर प्रताप सिंह एवं कनैली चौकी प्रभारी जितेंद्र कुमार पर स्थानीय पत्रकार संजय सिंह के साथ अभद्र भाषा,गाली-गलौज और अमर्यादित व्यवहार करने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं।बताया गया है कि पत्रकार द्वारा अवैध खनन से संबंधित समाचार प्रकाशित किए जाने से नाराज होकर पुलिसकर्मियों ने उन्हें हिरासत में लेकर मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया। इतना ही नहीं, उनके साथ अत्यंत अमानवीय व्यवहार करते हुए मुंह में पेशाब करने और फजी मुकदमे में फंसाने जैसी धमकियां भी दी गईं।इलेक्ट्रॉनिक मीडिया क्लब ने इसे न केवल मानवाधिकारों का उल्लंघन बताया, बल्कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर सीधा हमला करार दिया है। संगठन ने मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी पुलिसकर्मियों को तत्काल निलंबित करते हुए उनके खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाए। इस मौके पर संगठन अध्यक्ष अली मुक्तदा, इंतजार रिजवी, एन डी तिवारी, पवन मिश्रा, प्रमोद मिश्रा, विवेक त्रिपाठी, रामकिशन पटेल, डी.एस यादव, जैगम, आयमान अहमद, पंकज केशरवानी सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो पत्रकारों में भय का माहौल बनेगा और निष्पक्ष पत्रकारिता बाधित होगी,जो किसी भी लोकतांत्रिक समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के अन्तर्गत निःशुल्क कोचिंग के लिए 10 जून तक करें आवेदन

कौशांबी। जिला समाज कल्याण अधिकारी दिलीप कुमार ने अवगत कराया है कि वर्ष 2026-27 में मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए निःशुल्क कोचिंग की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि सिविल सेवा परीक्षा (संघ लोक सेवा आयोग उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान संयुक्त प्रवेश परीक्षा (आईआईटी-जेईई),राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए), संयुक्त रक्षा सेवा परीक्षा (सीडीएस),राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट), कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) तथा उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएमएमसी) जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्र-छात्राओं को जनपद कौशाम्बी के महामाया राजकीय बालिका छात्रावास, मंझनपुर, कौशाम्बी (बस डिपो के पीछे) में संचालित कोचिंग केंद्र पर निःशुल्क कोचिंग प्रदान की जाएगी।जिला समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि ऑफलाइन माध्यम से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। पात्रता की जानकारी देते हुए बताया गया कि सिविल सेवा परीक्षा (संघ लोक सेवा आयोग/उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग) के लिए स्नातक या अंतिम वर्ष में अध्ययनरत अभ्यथी आवेदन कर सकते हैं। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए),संयुक्त रक्षा सेवा (सीडीएस),कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) एवं उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएमएमसी) के लिए इंटरमीडिएट उत्तीर्ण होना आवश्यक है। वहीं राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान संयुक्त प्रवेश परीक्षा (आईआईटी-जेईई) के लिए हाईस्कूल उत्तीर्ण छात्र-छात्राएं पात्र होंगे। इच्छुक अभ्यथी ऑफलाइन आवेदन पत्र महामाया राजकीय बालिका छात्रावास, मंझनपुर (बस डिपो के पीछे) तथा जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय,विकास भवन, कौशाम्बी मे प्राप्त एवं जमा किए जा सकते हैं। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 10 जून निर्धारित की गई है।

त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावली का वृहद् पुनरीक्षण कराये जाने के लिए समय-सारिणी निर्धारित

कौशांबी। राज्य निर्वाचन आयोग उ.प्र., लखनऊ के निर्देशानुसार जनपद कौशाम्बी की त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावली का वृहद् पुनरीक्षण कराये जाने के लिए समय-सारिणी निर्धारित की गई है ।मतदाताओं के अनावश्यक डेटा को हटाना एवं कम्प्यूटरीकरण की कार्यवाही दिनांक 21 अप्रैल, 2026 से 28 मई, 2026 तक एवं कम्प्यूटरीकरण के उपरान्त मतदान केन्द्र स्थलों का कमांकन,मतदेय स्थलों के वार्डो की मैपिंग,मतदाता क्रमांकन, एसवीयन आवंटन, मतदाता सूची की डाउनलोडिंग, फोटो प्रतियां कराने आदि का कार्य दिनांक 29 मई,2026 से 09 जून,2026 तक तथा निर्वाचक नामावलियों का जनसामान्य के लिए अन्तिम प्रकाशन दिनांक 10 जून,2026 को किया जाएगा। त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावली राज्य निर्वाचन आयोग उ.प्र., लखनऊ के निदेशन एवं नियंत्रण में तैयार की जायेंगी। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा अपने क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावली के संशोधित पुनरीक्षण कार्यक्रम का सार्वजनिक जानकारी के लिए समस्त सम्बन्धित कार्यालयों के सूचना पट्ट पर भी यह कार्यक्रम प्रदर्शित किया जायेगा ।निर्वाचक नामावली के वृहद् पुनरीक्षण के दौरान पड़ने वाले सार्वजनिक अवकाश दिवसों में सम्बन्धित कार्यालय खुले रहेगें तथा निर्धारित समय सारिणी के अनुसार निर्वाचक नामावली के वृहद् पुनरीक्षण का कार्य पूर्ण कराया जायेगा।

दो वारण्टी अभियुक्त को कौशाम्बी पुलिस ने किया गिरफ्तार

कौशांबी। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये गये अभियान के क्रम में थाना कौशाम्बी पुलिस टीम द्वारा मु0अ0सं0 202/2022 धारा 380/411 भादवि थाना कौशाम्बी से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त आशुतोष पुत्र ब्रजेश निवासी मवई थाना थाना मउ चित्रकूट को गिरफ्तार किया गया एवं 72/2022 धारा 307 भादवि थाना कौशाम्बी से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त नफीश अहमद पुत्र मुश्ताक अली निवासी ग्राम भद्दुरपुर थाना मंझनपुर को गिरफ्तार किया गया विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेजा गया

पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह मुन्ना का जाना प्रदेश और कांग्रेस परिवार के लिए अपूरणीय क्षति : गौरव पाण्डेय

पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के निधनोपरांत उनके अंतिम संस्कार में पहुंचे कौशाम्बी कांग्रेस जिलाध्यक्ष

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी अरुण कुमार सिंह मुन्ना के निधनोपरांत उनके अंतिम संस्कार में प्रयागराज रसूलाबाद घाट जिलाध्यक्ष गौरव पाण्डेय कांग्रेस नेताओं के साथ पहुंचे इस दौरान उन्होंने कहा कि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह मुन्ना का जाना प्रदेश और कांग्रेस परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है उनके सानिध्य में कांग्रेस पाटी ने मजबूती से जनता की अधिकार की लड़ाई लड़ी ऐसे में उनका जाना हम सबके लिए दुखद है मै मृत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं एवं परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं । उन्होंने कहा कि उनका योगदान बहुमूल्य था वो सदैव जनाधिकारों के लिए जाने जायेंगे।इस दौरान प्रमुख रूप से जोनल को आर्डिनेटर एवं पूर्व विधायक चायल विजय प्रकाश, सुधाकर तिवारी, प्रदेश महासचिव मुकुंद तिवारी, शहर अध्यक्ष फुजैल हाशमी, गंगापार जिलाध्यक्ष अशफाक अहमद, हरिकेश त्रिपाठी, पूर्व शहर अध्यक्ष प्रदीप मिश्रा अंशुमन, अजीत कुशवाहा, जिला प्रवक्ता अनिल पाण्डेय,पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष संजय तिवारी, पूर्व जिला अध्यक्ष श्याम कृष्ण पाण्डेय, मनोज पासी, देवी पाण्डेय, मोहन तिवारी, आबिद उल्ला,जिला उपाध्यक्ष कौशाम्बी दीपक पाण्डेय बाबू जी,उदय यादव, सोसल मीडिया जिलाध्यक्ष सचिन पाण्डेय सहित सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

न्यूज झरोखा

शिक्षक शंकुल बरेठी की मासिक बैठक में नामांकन एवं शैक्षिक कैलेण्डर के क्रियान्वयन पर हुई चर्चा

तिल्हापुर मोड़ कौशाम्बी निपुण भारत मिशन के अन्तर्गत आयोजित मासिक शिक्षक संकुल बरेठी की बैठक उच्च प्राथमिक विद्यालय पेरई में खंड शिक्षा अधिकारी नेवादा की उपस्थिति में आयोजित की गई जिसमें न्याय पंचायत के समस्त शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित हुयी बैठक का संचालन कर रहे नोड़ल शिक्षक संकुल राज्य पुरस्कार प्राप्त शिक्षक हरिओम सिंह द्वारा पूर्व निर्धारित ऐजेण्डे.पर संक्षिप्त प्रकाश डाला गया तथा उसके नियमित क्रियान्वयन पर आवश्यक एवं महत्वपूर्ण दिशा निर्देश बैठक में उपस्थित खंड़ शिक्षा अधिकारी नेवादा वृजेश कुमार सिंह द्वारा सभी शिक्षको को प्रदान किया गया तथा कहा गया कि विद्यालयों में बच्चों के नामांकन पर वृहद स्तर पर प्रयास किया जाए जिससे कोई भी बच्चा नामांकन से वंचित न रहे तथा उन्हें गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा मिले इसके लिए निर्धारित शैक्षिक कैलेण्डर के अनुसार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करें । इस अवसर पर न्याय पंचायत के उत्कृष्ट शिक्षकों के द्वारा अपनें द्वारा किये जा रहे प्रयासों का प्रस्तुतीकरण भी किया गया। इस अवसर पर शिक्षक संकुल,बनीता दुबे ,नगमा तरन्नुम,शिक्षक राम गुलाम पाल, रामनेवाज सिंह, अवधराज सिंह,हुबलाल वर्मा, चक्रपाणि मिश्र,रणविजय सिंह, प्रतिमा कुमारी सहित अन्य शिक्षक मौजूद रहे

एसडीएम चायल ने ग्राम मलाक मोईनुद्दीनपुर उपहार में भूमि विवाद की 05 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कराया

कौशांबी एसडीएम चायल अरुण कुमार ने टॉप 10 भूमि विवादों का मौके पर समाधान अभियान के अंतर्गत आज ग्राम मलाक मोईनुद्दीन पुर उपहार में कैम्प आयोजित कर राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा भूमि विवाद से संबंधित कुल 05 शिकायतों का ग्राम स्तर पर ही त्वरित निस्तारण सुनिश्चित कराया। उप जिलाधिकारी ने शिकायतकर्ता राजन पासी की शिकायत पर आराजी संख्या 158 का राजस्व टीम द्वारा चिन्हांकन करा दिया गया। इसी प्रकार शिकायतकर्ता प्रशांत कुमार कि शिकायत पर राजस्व टीम द्वारा कब्रिस्तान की भूमि को कब्जा मुक्त करवाया गया। शिकायतकर्ता पुरुषोत्तम की शिकायत पर राजस्व टीम ने मौके पर बताया कि खतौनी में नाम संशोधन का आदेश पारित हो चुका है, जिसकी अमल दरामत खतौनी में दर्ज हो चुकी है। इन शिकायतों के निस्तारण से शिकायत कर्ता भी संतुष्ट रहे ।उप जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि भविष्य में भी इसी प्रकार संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ जनता की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जाए।

नारी शक्ति प्रतियोगिता का कार्यक्रम आयोजित कर बालिकाओं को दी गयी जानकारी

कोखराज कौशाम्बी। सिराथू तहसील क्षेत्र के राजकीय हाई स्कूल राला में नारी शक्ति वंदन अधिनियम कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के प्रतियोगिताएं कराई गई जिसमें विद्यालय की प्रधानाचार्य', डॉक्टर प्रतिभा रानी शर्मा ,सहायक शिक्षिका श्रीमती अचर्ना मौर्य ,श्रीमती अचर्ना ,श्रीमती शोभा, श्रीमती विजय' कुमारी एवं जूनियर विद्यालय की शिक्षिका श्रीमती सरिता सिंह एवं सहायक अध्यापक श्री नृपपजीत सिंह सचान भी उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक ने की समस्त शाखाओं के कार्यों की साप्ताहिक समीक्षा

कौशांबी। पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी श्री सत्यनारायण द्वारा दिनांक 21.04.2026 को पुलिस कार्यालय कौशाम्बी में समस्त शाखा प्रभारियों के साथ साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान विभिन्न शाखाओं द्वारा किए जा रहे कार्यों की गहन समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।समीक्षा के क्रम में पुलिस अधीक्षक ने अपराध नियंत्रण को प्राथमिकता देते हुए लंबित विवेचनाओं के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर विशेष जोर दिया। साथ ही महिला संबंधी अपराधों में संवेदनशीलता के साथ कार्यवाही सुनिश्चित करने, मिशन शक्ति अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने तथा प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध एवं निष्पक्ष निस्तारण करने के निर्देश दिए गए।उन्होंने अभिलेखों के सुव्यवस्थित रख-रखाव पर बल देते हुए कहा कि प्रत्येक शाखा अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण पारदर्शिता, सजगता एवं उत्तरदायित्व के साथ करे। किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई।बैठक के दौरान कार्यालयी कार्यप्रणाली को और अधिक सुदृढ़ एवं जनोन्मुखी बनाने हेतु आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए गए। अंत में पुलिस अधीक्षक ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को टीम भावना के साथ कार्य करते हुए जनपद में कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाए रखने के लिए निर्देशित किया किया।

बाबा साहब का योगदान भारतीय समाज के लिए अमूल्य है और उनका जीवन हम सबके लिए प्रेरणास्रोत है : बीरेंद्र सरोज फौजी

कौशाम्बी। विधानसभा चायल के ब्लॉक सभागार नेवादा में बाबा साहब सम्मान अभियान की विधानसभा स्तरीय संगोष्ठी को बतौर मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष वीरेंद्र सरोज फौजी ने जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य की अध्यक्षता में आयोजित संगोष्ठी को संबोधित किया।बतौर मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष वीरेंद्र सरोज फौजी ने बाबा साहब को नमन करते हुए उनके जीवन के बारे में बताया कि बाबा साहब डॉ.भीमराव अम्बेडकर का जीवन एक महान संघर्ष की साहसिक गाथा है।विषम परिस्थितियों के बावजूद भी उन्होंने तमाम ऊंचाइयों को छुआ तथा अपने अदम्य साहस,कठोर परिश्रम और शिक्षा के बल पर न केवल स्वयं को स्थापित किया,बल्कि करोड़ों वंचितों और शोषितों के लिए आशा की नई किरण बन गए। उन्होंने समानता,स्वतंत्रता,न्याय और बंधुता के मूल्यों को जीवन का ध्येय बनाया और इन्हीं आदर्शों को भारत के संविधान में समाहित कर राष्ट को एक सशक्त दिशा प्रदान की बाबा साहब हमारे राष्ट्र के वह विशिष्ट रत्न हैं,जिनके जीवन व कार्यों ने स्वतंत्रता पूर्व एवं पश्चात की पीढ़ियों को प्रभावित किया तथा प्रेरणा के अविरल पुंज बन गए।इसी क्रम में जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य ने बताया कि आज जब हम विकसित और समावेशी भारत के निर्माण की दिशा में अग्रसर हैं,बाबा साहब के विचार और भी अधिक प्रासंगिक हो जाते हैं। उनका संघर्ष और दर्शन हमें अन्याय,असमानता और भेदभाव के विरुद्ध खड़े होने की प्रेरणा देता है।डॉ.अम्बेडकर का प्रेरणादायी जीवन और उनके आदर्श सदैव हमें एक न्यायपूर्ण,समरस और सशक्त भारत के निर्माण के लिए मार्गदर्शन करते रहेंगे। संविधान के मूल्यों व बाबा साहब के विचारों की रक्षा का संकल्प ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष भोलेशंकर कुशवाहा,भूपेंद्र पटेल,नितिन पासी,चक्रेश मिश्रा,जिला महामंत्री ज्योति केसरवानी,जय सिंह पटेल गुरु जी,जिलाध्यक्ष अनुसूचित मोर्चा शिवमूरत पासी सहित पदाधिकारी जनप्रतिनिधि कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

सम्पादकीय

विकास और सुशासन के मुद्दों पर भी काम करे मीडिया

भारत जैसे विविधता और बहुलता भरे समाज में सभी उम्मीदों, सपनों और बदलावों को रेखांकित कर पाना कठिन है। क्योंकि विकास के अनेक तल हैं और देश में समाज की रचना भी बहुस्तरीय है, देश में कहावत प्रचलित है ह्यचार कोस पर पानी बदले आठ कोस पर वाणीह्य , इसलिए किसी राज्य को भी एक ही पैमाने से नहीं नापा जा सकता। मीडिया की ताकत आज सर्वव्यापी है और कई मायनों में सर्वग्रासी भी। ऐसे में विकास के सवालों और उसके लोकव्यापीकरण में मीडिया की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो उठी है। यह एक ऐसा समय है, जबकि विकास और सुशासन के सवालों पर हमारी राजनीति में बात होने लगी है, तब मीडिया में यह चचाएं न हों यह संभव नहीं है। समाज विकास की प्रक्रिया और उसकी आकांक्षाएं मीडिया में दर्ज हों, ऐसी उम्मीद की जाती है। इन विषयों की रिपोटिंग के लिए तमाम पत्रकार आगे आ रहे हैं। वैश्विक स्तर पर भी विकास की पत्रकारिता को एक नई नजर से देखा जा रहा है। भारत में विकास की पत्रकारिता और उसके सवालों से जूझने के लिए पत्रकारों की एक पूरी पीढ़ी तैयार है, किंतु मुख्यधारा के मीडिया के द्वारा इन विषयों को तरजीह न दिए जाने के कारण निराशा ही हाथ लगती है। संकट पत्रकारों की ओर से नहीं, मीडिया संस्थानों और प्रबंधकों की ओर से है। विकास का मुद्दा क्या सिर्फ सरकारी विज्ञापनों का विषय है, सरकारी मीडिया का विषय है, या यह समाज में हो रहे नवाचारों का भी विषय है। विकास पत्रकारिता को पाठ्यक्रम के साथ मीडिया कर्म का भी हिस्सा होना चाहिए।राजनीति

भारत जैसे विविधता और बहुलता भरे समाज में सभी उम्मीदों, सपनों और बदलावों को रेखांकित कर पाना कठिन है। क्योंकि विकास के अनेक तल हैं और देश में समाज की रचना भी बहुस्तरीय है, देश में कहावत प्रचलित है ह्यचार कोस पर पानी बदले आठ कोस पर वाणीह्य , इसलिए किसी राज्य को भी एक ही पैमाने से नहीं नापा जा सकता। जैसे मध्य प्रदेश में एक तरफ समृद्ध मालवा है, तो दूसरी और झाबुआ जैसे इलाके भी हैं। एक तरफ इंदौर की चमक है, तो दूसरी ओर अलीराजपुर जैसे क्षेत्र भी हैं। छत्तीसगढ़ में अबूझमाड़ है, तो भिलाई भी है। ऐसे में पत्रकारों या विकास के सवालों पर लिखने वालों की चुनौतियां बढ़ जाती हैं। इसी तरह विकास की भूमिका भी यहां विस्तृत और परिवर्तित हो जाती है। हम देखें तो 1950 के पहले आर्थिक विकास हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण था। किंतु 1950 के बाद की चिंताएं अलग हो गयी। बाद के दिनों में सामाजिक विकास को एक बड़ा कारक माना जाने लगा है। सामाजिक न्याय से लेकर स्थाई विकास के सवाल अब बड़े हो गए हैं। यहां तक कि पर्यावरण और ग्लोबल वार्मिंग जैसी चीजें भी हमारे सामने हैं। एक समय में विकसित और विकासशील देशों की बहसें भी हमने सुनीं जिनमें मैकब्राइड कमीशन की रिपोर्ट एक अलग तरह से बात करती हुयी नजर आती है, जिनमें कुछ सवाल आज भी मौजू हैं। नियंत्रित मीडिया से मीडिया के चौतरफा विकास का समय भी आया जिसमें कुछ भी छिपाना और दबाना असंभव सा हो गया। कई बार यह भी लगता रहा कि विकास का सवाल सिर्फ सरकारी माध्यमों (मीडिया) के लिए ही महत्व का है।

लेकिन शहरी माओवाद पर कैसे लगे लगाम

उमेश चतुर्वेदी ।

बीते तीस मार्च को गृहमंत्री अमित शाह ने लाल आतंक के रूप में कुख्यात रहे माओवादी और नक्सली आतंकवाद के खात्मे का औपचारिक अंत की घोषणा कर दी है। चाहे माओवाद हो या नक्सलवाद, दोनों ही धाराएं उग्रपंथी वामपंथ से प्रभावित रही हैं। इनका मानना रहा है कि सत्ता बंदूक की नली या बारूद से निकलती है। इसी विचारधारा के तहत इस वैचारिकी ने भारत के तकरीबन एक तिहाई जिलों पर अरसे तक कब्जा जमाए रखा। इस विचारधारा से प्रभावित लाल आतंक एक दौर में पशुपति से लेकर तिरूपति तक फैला हुआ था। लेकिन अब यह निस्तेज हो चुका है। ज्यादातर नक्सली या माओवादी लड़ाके या तो हथियार डाल कर मुख्यधारा की जिंदगी में वापस लौट गए हैं या फिर सुरक्षा बलों की कार्रवाई में मारे गए हैं। लेकिन अब भी इस विचारधारा से प्रभावित एक वर्ग बचा हुआ है। जिसका सत्ता के प्रतिष्ठानों पर भले ही प्रभाव ना हो, लेकिन तंत्र पर उसका प्रभाव अब भी है।

मार्च 2022 में जम्मू-कश्मीर के आतंकवाद और कश्मीरी पंडितों के घाटी छोड़ने की पृष्ठभूमि पर एक फिल्म आई थी। ह्यद कश्मीर फाइल्सह्ण नामक इस फिल्म में एक संवाद है, सत्ता भले ही उनकी है, लेकिन सिस्टम अपना है। इस संवाद में जिस सिस्टम की ओर इशारा है, दरअसल तंत्र पर उसका ही प्रभाव है। कहना न होगा कि यह प्रभावी तबका वैसी ही उग्र वामपंथी विचारधारा से प्रभावित है, जिसके बारूदी रूख के अंत का ऐलान गृहमंत्री अमित शाह ने किया है। कभी दिल्ली विश्वविद्यालय में सक्रिय अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के जिज्ञासु कार्यकताओं ने इसे ह्यअर्बन नक्सलह्ण कहा था। अर्बन यानी शहरी नक्सल। याद कीजिए, छह अप्रैल 2010 की घटना, जब बस्तर में सीआरपीएफ के 74 जवानों को घेरकर नक्सलियों ने बारूदी सुरंगों के जरिए उड़ाकर मार डाला था। इस लोमहर्षक कार्रवाई भारतीय राष्ट्र राज्य पर अर्बन नक्सल समुदाय ने बड़ी जीत के रूप में देखा था। राजधानी दिल्ली में लाल गढ़ के रूप में विख्यात जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के छात्रों के एक समूह ने इस कार्रवाई पर खुलेआम खुशियां जताई थीं। तमाम विश्वविद्यालयों के वामपंथी प्रोफेसरों और छात्रों के एक समूह ने इस लोमहर्षक हत्या कांड को भारतीय राज व्यवस्था पर नक्सली जीत के रूप में लिया था। बस्तर की इस घटना के बाद तत्कालीन मनमोहन सरकार सकते में थी। उसने समानांतर सत्ता चला रहे नक्सली और माओवादी आतंकियों पर हवाई कार्रवाई करने का विचार शुरू कर दिया था। लेकिन शहरी इलाकों के वामपंथी बुद्धिजीवियों ने इसका विरोध शुरू किया। तंत्र में इनकी उपस्थिति कितनी प्रभावी है, इससे ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि मनमोहन सरकार ने नक्सली हिंसा का प्रभावी जवाब देने का विचार त्याग दिया था।

नक्सलवाद कहें या माओवाद या फिर वामपंथ की कोई अन्य धारा, विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों, पत्रकारिता, स्वयंसेवी संगठनों, वकालत, अस्पतालों, प्रशासनिक व्यवस्था और कर्मचारीतंत्र में भी इनके प्रभावी लोग अब भी मिल जाएंगे। अरूंधती रॉय, हर्ष मंदर, प्रशांत भूषण जैसे प्रसिद्ध बुद्धिजीवी तो खुद ही मानते हैं कि वे इस विचारधारा से हैं।

तंत्र में इस विचारधारा के प्रभावी होने की शुरूआत 1969 में कांग्रेस के विभाजन से होती है। तब अपनी केंद्रीय सत्ता को बचाने के लिए इंदिरा गांधी को वामपंथी दलों के सहयोग की जरूरत थी। उन्होंने सहयोग किया भी, बदले में शैक्षिक संस्थानों पर उनका प्रभाव बढ़ा। इसकी वजह यह रही कि इंदिरा सरकार ने शोध और शैक्षिक संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों को इन्हीं के हवाले कर दिया। इस विचारधारा ने अपने ही लोगों को इन संस्थानों में खूब भरा।

2014 में जब केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार आई तो यह वैचारिकी पहले सकते में रही। बाद में इसने रणनीति और पैंतरा बदला। शुरू में तो इस विचारधारा ने कभी पश्चिम बंगाल के जादवपुर विश्वविद्यालय में वैचारिकी आधारित आंदोलन छेड़ा तो कभी काशी हिंदू विश्वविद्यालय में लड़कियों से छेड़खानी के बहाने राष्ट्रवादी विचाराधारा को निशाने पर लेकर आंदोलन चलाया। हैदराबाद विश्वविद्यालय में रोहित बेमुला के बहाने राष्ट्रवादी शासन व्यवस्था के दौरान कथित तौर पर दलितों और पिछड़ों के उत्पीड़न का आरोप लगाकर वैचारिक आंदोलन खड़ा किया। दो कृषि कानूनों के बदलाव के विरोध में लंबे समय तक चले किसान आंदोलन को भी इस वैचारिकी का खुला समर्थन रहा। टूल किट गिरोह इसी दौरान बेपर्दा हुए। नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ देशभर के अल्पसंख्यकों को भड़काने और उन्हें आंदोलन में लाने के पीछे भी यही विचारधारा रही। इन आंदोलनों के लंबे समय तक चलने, इनके लिए लोगों के एकत्रित होने की वजह से अंदाजा लगाया जा सकता है कि शहरी नक्सलियों का कितना बड़ा नेटवर्क है और कितनी गहराई तक उनकी पहुंच है।

मोदी सरकार के बाद राष्ट्रवादी विचारधारा को उम्मीद थी कि सत्ता केंद्रों और संस्थानों से इस विचारधारा की विदाई हो जाएगी। लेकिन अब भी यह विचारधारा प्रभावी तौर पर उपस्थित है। इस विचारधारा के कतिपय क्रांतिकारियों ने तो अब चोला तक बदल लिया है और मौजूदा सत्ता तंत्र में भागीदार भी बन चुके हैं। पत्रकारिता में अब भी इस विचारधारा के लोगों की भारी संख्या है। इसकी वजह से अब भी नैरेटिव का मायाजाल रचने में यह विचारधारा प्रभावी हो जाती है। नागरिक समाज में इस विचारधारा के लोग तभी पहचान में आते हैं, जब वे बहसों में हिस्सा लेते हैं या आंदोलनों में खुली भागीदारी करते हैं। अन्यथा समाज के सभी वर्गों की तरह इनको भी आसानी से सामान्य जन पहचान नहीं पाता। शहरी नक्सलवादियों की एक खासियत यह है कि वे खासा पढ़ते लिखते हैं। इसलिए बहसों में उनकी भागीदारी प्रभावी रहती है। लेकिन भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं का माखौल उड़ाना उन्हें सबसे प्रिय है। वैसे भारतीय शैक्षिक संस्थानों में एक सोच गहरे तक पैठी हुई है कि युवावस्था में जो वामपंथी नहीं हुआ, इसका अभिप्राय है कि उसमें कोई न कोई कमी है। इस सोच की बुनियाद और संस्थानों में अपनी प्रभावी उपस्थिति के चलते यह विचारधारा अक्सर युवाओं को प्रभावित कर लेती है। उसके आगोश में आने के बाद युवा भारतीयता, भारतीय मूल्य और सांस्कृतिक परंपराओं का माखौल उड़ाने लगता है, उसे पूजा-पाठ दकियानूसी लगने लगता है। हालांकि अल्पसंख्यकों के धार्मिक और सांस्कृतिक कलाप उसे प्रगतिशीलता की निशानी लगने लगते हैं। इस तरह समाज के बीच वे अपनी वैचारिक धारा को बनाए रखने के जतन में जुटे रहते हैं।

जंगलों, खेतों-खलिहानों और आदिवासी इलाकों में खून की होली खेलने, रेल की पटरियां उड़ाने, स्कूलों को उड़ाने वाली खूनी नक्सली और माओवादी विचारधारा के समर्थक और नेतृत्वकर्ता भले ही सुरक्षा बलों की कार्रवाई और समानांतर चलाई गई विकास योजनाओं के चलते खत्म हो गए हों या हथियार डाल दिए हों, लेकिन किताबों, बहसों और नैरेटिव के सहारे लड़ाई चलाने वाले माओवादी और नक्सली अब भी बाकी हैं और तंत्र में प्रभावी मौजूदगी भी रखते हैं। कहा जाता है कि विचारधाराएं कभी नहीं मरतीं। उनके अनुयायियों की संख्या कम-ज्यादा जरूर हो सकती हैं। मौजूदा सामाजिक और राजनीतिक तंत्र ऐसा नहीं रहा कि हथियार के सहारे क्रांतियां कर ली जाएं और सत्ताएं बदल दी जाएं। ऐसा होता तो अमेरिका पूरी दुनिया पर राज कर रहा होता, क्योंकि उसकी सेना दुनिया की सबसे ताकतवर सेना है, उसके पास हथियारों का अकूत भंडार है। अब राजसत्ताओं को बारूद या बंदूक के जरिए नहीं बदला जा सकता। बारूद और बंदूक के सहारे सत्ता बदलने वाला तंत्र इसीलिए पस्त हो गया। लेकिन वैचारिक लड़ाई करने वालों को समानांतर खड़ा मजबूत वैचारिक तंत्र ही मात दे सकता है। दूसरी बात यह है कि वैचारिक तंत्र को जहां से खाद-पानी मिलता है, उस स्त्रोत को ही खत्म करके वैचारिकी को काबू में किया जा सकता है। वैचारिकी की बुनियाद पर जहर फैलाने वाले लोगों को सामाजिक तौर पर अलग-थलग करना भी इसे रोकने की रणनीति हो सकती है। जब तक ऐसे कदम नहीं उठाए जाएंगे, जंगलों और आदिवासी इलाकों की बंदूकें भले ही शांत हो जाएं, सामाजिक तौर पर वाम वैचारिकी मजबूत उपस्थिति बनाए रखेगी और अगर वह प्रभावी रही तो देर-सवेर किसी और रूप में फिर से लाल आतंक को सिर उठाने के लिए प्रेरित करेगी। इस नजरिए से भी इस समस्या और शहरी माओवाद या नक्सलवाद को भी देखना एवं परखना होगा।

जिलाधिकारी ने जिला सड़क समिति की बैठक कर सम्बन्धित अधिकारियों को दिया आवश्यक दिशा निर्देश

अखंड भारत संदेश गोपीगंज भदोही भदोही, 21 अप्रैल 2026: जिलाधिकारी शैलेष कुमार एवं पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात व्यवस्था में सुधार तथा सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने सड़क सुरक्षा समिति द्वारा पूर्व में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि शासन स्तर से सड़क दुर्घटनाओं में कम से कम 50 प्रतिशत कमी लाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जनपद स्तर पर क्या कार्ययोजना बनाई गई है, इसकी विस्तृत समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों से कहा कि सड़क सुरक्षा केवल प्रशासनिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि जनहित से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है, इसलिए सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें। जिलाधिकारी ने बिना नंबर प्लेट के चल रहे वाहनों तथा गलत नंबर प्लेट लगाकर संचालित किए जा रहे वाहनों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने इस संबंध में सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी, जिला खान अधिकारी तथा पुलिस विभाग की संयुक्त टीम गठित कर विशेष अभियान चलाने को कहा। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरुद्ध अभियान चलाकर चालान एवं अन्य आवश्यक वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं के लिए चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स की भी समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन स्थानों को ब्लैक स्पॉट के रूप में चिह्नित किया गया है, वहां मौके पर जाकर निरीक्षण करें और यह पता लगाएं कि अब भी दुर्घटनाएं क्यों हो रही हैं। उन्होंने कहा कि यदि सड़क की बनावट, संकेतक, प्रकाश व्यवस्था, अवैध कट, अतिक्रमण या अन्य कारणों से दुर्घटनाएं हो रही हैं।

'भूदान दिवस' आज-भूदान आंदोलन के 75 वर्ष : भूमि, न्याय और नैतिकता की पुकार

कुमार सिद्धार्थ

भूदान आंदोलन हमें सामुदायिक भावना और साझेदारी की संस्कृति को पुनर्जीवित करने की प्रेरणा भी देता है। आज जब समाज तेजी से व्यक्तिवादी होता जा रहा है, तब 'साझा संसाधन' और 'साझी जिम्मेदारी' की अवधारणा और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। ग्राम स्तर पर सामूहिक निर्णय, संसाधनों का साझा उपयोग और स्थानीय स्वशासन की मजबूत व्यवस्था आदि सभी पहलू भूदान के मूल विचार से जुड़े हुए हैं।

देश के सामाजिक और नैतिक इतिहास में ऐसे कुछ आंदोलन हुए हैं, जिन्होंने बिना हिंसा, बिना सत्ता और बिना संसाधनों के भी समाज की आत्मा को झकझोर दिया है। आचार्य विनोबा भावे का भूदान आंदोलन ऐसा ही एक अद्वितीय प्रयोग था, जिसने न केवल भूमि के पुनर्वितरण का प्रश्न उठाया, बल्कि समाज के नैतिक पुनर्निर्माण की दिशा भी दिखाई। 18 अप्रैल को मनाया जाने वाला 'भूदान दिवस' उस ऐतिहासिक क्षण की याद दिलाता है, जब 1951 में तेलंगाना के पोचमपल्ली गांव से इस आंदोलन की शुरूआत हुई थी। अब, जब इस आंदोलन के लगभग 75 वर्ष पूर्ण होने को हैं, इसके महत्व और वर्तमान संदर्भ में इसकी प्रासंगिकता पर पुनर्विचार आवश्यक हो जाता है।

भूदान आंदोलन की शुरूआत एक साधारण, लेकिन गहरे सामाजिक प्रश्न से हुई थी-क्या समाज अपने ही भूमिहीन लोगों के लिए स्वेच्छा से संसाधन साझा कर सकता है? पोचमपल्ली में जब भूमिहीन परिवारों ने विनोबा भावे से भूमि की मांग की, तब एक जमींदार द्वारा स्वेच्छा से भूमि-दान की घोषणा ने इस आंदोलन को जन्म दिया। विनोबा भावे ने इसे केवल भूमि-दान तक सीमित नहीं रखा, बल्कि इसे 'सर्वोदय' याने सभी के उत्थान के व्यापक दर्शन से जोड़ा।

भूदान आंदोलन को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विनोबा भावे ने व्यापक पदयात्राएं कीं, जो इस आंदोलन की आत्मा बन गईं। उन्होंने लगभग 13 वर्षों (1951 से 1964 के बीच) लगातार देशभर में पदयात्रा की और करीब 58,000 से अधिक किलोमीटर पैदल चलकर देश के लगभग 16 से अधिक राज्यों का भ्रमण किया और हजारों गांवों में पहुंचकर सीधे लोगों से संवाद किया। इन पदयात्राओं के माध्यम से उन्होंने न केवल भूमि-दान का आह्वान किया, बल्कि समाज में समानता, सहयोग और अहिंसक परिवर्तन की भावना को भी गहराई से स्थापित किया। आगे चलकर यह आंदोलन 'ग्रामदान' की अवधारणा तक विस्तारित हुआ, जिसमें पूरे गांव की भूमि को सामूहिक स्वामित्व और उपयोग के लिए समर्पित करने का विचार सामने आया।

विनोबा मानते थे कि भूमि प्रकृति की देन है और उस पर किसी एक व्यक्ति का पूर्ण स्वामित्व नैतिक रूप से उचित नहीं हो सकता। इसी कारण उन्होंने समाज के संपन्न वर्ग से अपील की कि वे अपनी भूमि का एक हिस्सा भूमिहीनों को दें, ताकि समाज में संतुलन और समानता स्थापित हो सके। विनोबा के विचार में यह केवल आर्थिक सुधार का उपाय नहीं, बल्कि 'हृदय परिवर्तन' की प्रक्रिया थी, जिसमें दान देने वाला और प्राप्त करने वाला, दोनों एक नए सामाजिक संबंध में जुड़ते हैं। उनका यह भी विश्वास था कि यदि परिवर्तन स्वेच्छा और अहिंसा के आधार पर होगा, तो वह अधिक स्थायी और मानवीय होगा।

भूदान आंदोलन के दौरान प्राप्त जमीनों के वितरण के लिए विभिन्न राज्यों में 'भूदान-यज्ञ बोर्डों' की स्थापना की गई जो दान में प्राप्त भूमि का अभिलेखीकरण, सत्यापन और वितरण सुनिश्चित करते थे। बिहार, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और उड़ीसा जैसे राज्यों में लंबे समय तक 'भूदान-यज्ञ बोर्ड' सक्रिय रहे। इनकी जिम्मेदारी थी कि वे दान की गई भूमि का कानूनी हस्तांतरण कर उसे भूमिहीन परिवारों तक पहुंचाएं। कुछ राज्यों में इन 'बोर्डों' ने उल्लेखनीय कार्य किए, जहां हजारों परिवारों को भूमि का स्वामित्व मिला। हालांकि, कई स्थानों पर इन 'बोर्डों' को प्रशासनिक जटिलताओं, सीमित संसाधनों और राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। कई राज्यों में 'भूदान बोर्डों' के पास भूमि का रिकॉर्ड तो था, लेकिन उसका वास्तविक वितरण नहीं हो सका। कुछ स्थानों पर तो भूमि पर कब्जा दिलाने में भी कठिनाइयां आईं। इसके बावजूद, यह संस्थागत प्रयास इस बात का प्रमाण है कि भूदान आंदोलन केवल नैतिक अपील तक सीमित नहीं था, बल्कि उसे प्रशासनिक ढांचे में ढालने की भी कोशिश की गई।

वर्तमान समय में भूमि असमानता का प्रश्न नए रूप में सामने आ रहा है। एक ओर बड़े कॉरपोरेट और उद्योग समूह विशाल भूमि पर अधिकार रखते हैं, वहीं दूसरी ओर लाखों किसान और आदिवासी समुदाय भूमि से वंचित या विस्थापन के खतरे में हैं। शहरीकरण और औद्योगीकरण के बढ़ते दबाव ने भूमि को केवल एक संसाधन नहीं, बल्कि एक 'वस्तु' में बदल दिया है, जिसका मूल्य बाजार तय करता है, जिससे सामाजिक असमानता और गहरी होती जा रही है।

ऐसे में भूदान आंदोलन याद दिलाता है कि भूमि केवल आर्थिक संपत्ति नहीं है, बल्कि यह जीवन, संस्कृति और अस्तित्व का आधार है। विनोबा भावे का दृष्टिकोण सिखाता है कि विकास का मॉडल केवल आर्थिक लाभ पर आधारित नहीं होना चाहिए, बल्कि उसमें सामाजिक न्याय और नैतिकता का भी समावेश होना चाहिए। आज जरूरत इस बात की है कि भूदान की भावना को समकालीन संदर्भ में पुनर्परिभाषित किया जाए। यह जरूरी नहीं कि लोग अपनी भूमि दान करें।

भदोही में होमगार्ड भर्ती परीक्षा की तैयारियां पूरी, डीएम-एसपी ने दिए सख्त निर्देश

25 से 27 अप्रैल तक 6 केंद्रों पर होगी होमगार्ड परीक्षा, 14,976 अभ्यर्थी होंगे शामिल

अखंड भारत संदेश गोपीगंज भदोही

भदोही 21 अप्रैल 2026:ह्यउत्तर प्रदेश होमगार्ड के पदों पर एनरोलमेंट-2025 की परीक्षा के सफल, निष्पक्ष एवं नकल-विहीन आयोजन हेतु जिलाधिकारी शैलेष कुमार, पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी, अपर जिलाधिकारी वि0 रा0 कुंवर वीरेन्द्र मौर्य, अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में परीक्षा से संबंधित

सभी व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जलाधिकारी शैलेष कुमार ने बताया कि उक्त परीक्षा का आयोजन जनपद भदोही के कुल 06 परीक्षा केन्द्रों पर दिनांक 25, 26 एवं 27 अप्रैल 2026 को किया जाएगा।

पुलिस लाइन में रिक्रूट आरक्षियों हेतु 'बड़ा खाना' का आयोजन; पुलिस अधीक्षक महोदया ने बढ़ाया उत्साह

सुलतानपुर

पुलिस लाइन में प्रशिक्षणरत रिक्रूट आरक्षियों के सम्मान और उत्साहवर्धन हेतु 'बड़ा खाना' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक सुलतानपुर, चारू निगम उपस्थित रहे कार्यक्रम का शुभारंभ पुलिस अधीक्षक महोदया द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित रिक्रूट आरक्षियों को संबोधित करते हुए कहा कि पुलिस बल में शामिल होना केवल एक नौकरी नहीं, बल्कि समाज की सेवा और सुरक्षा का एक

पावन संकल्प है। उन्होंने युवाओं को अनुशासन, पूर्ण निष्ठा और ईमानदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने की प्रेरणा दी।संबोधन के पश्चात, पुलिस अधीक्षक महोदया ने स्वयं रिक्रूट आरक्षियों के बीच बैठकर भोजन किया। अधिकारियों को अपने साथ भोजन करते देख नए आरक्षियों में भारी उत्साह और अपनेपन की भावना देखी गई।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर फिर होगा वायुसेना का युद्धाभ्यास

सुल्तानपुर- पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर फिर होगा वायुसेना का युद्धाभ्यासःदिन-रात गरजेंगे फाइटर प्लेन, हवाई पट्टी को छूते हुए उड़ान भरेंगे जहाज भारतीय वायुसेना सुलतानपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर स्थित अरवल कीरी-करवत हवाई पट्टी पर 22 और 23 अप्रैल को युद्धाभ्यास आयोजित करेगी। इस अभ्यास में अत्याधुनिक लड़ाकू विमान अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करेंगे।वायुसेना के अधिकारियों ने आपातकालीन हवाई पट्टी पर पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया है। यूपीडा के प्रोजेक्ट मैनेजर इमरान खान ने बताया कि

लड़ाकू विमानों के उतरने, उड़ान भरने और विशेष युद्धाभ्यास के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।वायुसेना ने हवाई पट्टी के परीक्षण के लिए 22 अप्रैल का कार्यक्रम तय किया है। गोरखपुर के वायुसेना अधिकारियों के पहुंचने पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन गौरव शुक्ल ने पुलिस अधिकारियों के साथ लड़ाकू विमानों के हवाई पट्टी परीक्षण संबंधी जानकारी ली।

नवागत डीएम के नाम पर फिर सक्रिय हुआ दरबारी तंत्र, प्रशासन ने दिखाई सख्ती

सुलतानपुर में नवागत जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह के कार्यभार संभालते ही जिले के कुछ स्वयंभू मठाधीश पत्रकारों की बेचैनी सामने आने लगी है। बिना किसी आधिकारिक सूचना, निमंत्रण या जिला सूचना विभाग की जानकारी के कुछ चुनिंदा लोग डीएम कार्यालय पहुंच गए और इसे मुलाकात का नाम देने लगे।सूत्रों के अनुसार, जब नवागत डीएम इंद्रजीत सिंह ने मौजूद लोगों से पूछा कि अगर यह प्रेस वार्ता है तो जिले के प्रमुख समाचार पत्रों, चैनलों और अन्य संस्थानों के पत्रकार कहां हैं? तब तथाकथित मठाधीशों के पास कोई जवाब नहीं

था। बाद में इसे केवल औपचारिक मुलाकात बताकर मामला संभालने की कोशिश की गई।सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब जिला सूचना अधिकारी को ही किसी बैठक या मुलाकात की जानकारी नहीं थी, तो फिर यह विशेष टोली आखिर किस बुलावे पर डीएम कार्यालय पहुंची? क्या यह प्रशासन पर पुराने ढर्रे की तरह दबाव बनाने की कोशिश थी? जानकारों का मानना है कि जिले में वर्षों से कुछ लोग पत्रकारिता की आड़ में अपना प्रभाव जमाने और अधिकारियों पर अनावश्यक दबाव बनाने का प्रयास करते रहे हैं। लेकिन नवागत डीएम इंद्रजीत सिंह ने शुरूआत में ही साफ संकेत दे दिया है कि व्यवस्था अब पारदर्शिता और संस्थागत प्रक्रिया से चलेगी, न कि चापलूसी और गुटबाजी से।डीएम का यह सवाल ही बहुत कुछ कह गया कि पत्रकार वार्ता होती तो सभी मीडिया संस्थानों को बुलाया जाता।

डीएम और एसपी ने किया लालापुर के महर्षि वाल्मीकि आश्रम का निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिलाधिकारी पुलकित गर्ग एवं पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह द्वारा संयुक्त रूप से ऐतिहासिक महर्षि वाल्मीकि आश्रम परिसर का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने परिसर की स्वच्छता व्यवस्था, जन-सुविधाओं और अतिक्रमण को लेकर संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने फॉरेस्ट रेंजर को निर्देशित करते हुए कहा कि आश्रम परिसर में स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए गठित समिति को सक्रिय किया जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि दुकानों और पार्कों से प्राप्त होने वाले शुल्क (रेवेन्यू) का उपयोग करते हुए नियमित सफाई के लिए एक सफाई कर्मी की नियुक्ति की जाए। साथ ही, उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि जो दर्शनार्थी कूड़ा-करकट निर्धारित डस्टबिन के स्थान पर फैलाते हैं, उनके विरुद्ध अर्थदंड (जुमार्ना) की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। स्वच्छता के प्रति बेहतर प्रबंधन के लिए वन विभाग के अधिकारियों को विशेष सतर्कता बरतने को कहा गया है।

उप जिलाधिकारी मोहम्मद जसीम को निर्देशित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि एन.एच. मार्ग के दृष्टिगत जो मार्किंग की गई है, उस क्षेत्र में चिन्हित अतिक्रमण को शीघ्र हटवाया जाए। उन्होंने इस प्रक्रिया को गति देने के लिए संबंधित अतिक्रमणकारियों को पुनः नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

पर्यटन और स्थानीय आय को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि निर्धारित वेंडिंग जोन का समतलीकरण कराया जाए। उन्होंने कहा कि स्थान पर व्यवस्थित रूप से मेले का आयोजन सुनिश्चित किया जाए। मेले के संचालन से प्राप्त होने वाली आय को ग्राम पंचायत के माध्यम से संग्रहित करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि धनराशि का उपयोग जनहित एवं विकास कार्यों में किया जा सके। निरीक्षण के दौरान ऑफर पुलिस अधीक्षक बांदा मोविस टक, थाना प्रभारी रौपुरा आशुतोष त्रिपाठी, ग्राम प्रधान एवं पुलिस विभाग के अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

पैरालीगल वालेण्टियर्स को दिया गया प्रशिक्षण

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव इला चैधरी ने जनपद में कार्यरत समस्त पैरालीगल वालेण्टियर्स (पीएलवी) के साथ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कौशाम्बी द्वारा आयोजित संवर्धन क्लस्टर प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में कार्यरत पराविधिक स्वयं सेवकों को कानूनी प्रक्रियाओं, कल्याणकारी योजनाओं और सामुदायिक विवाद समाधान के बारे में प्रशिक्षित कर समाज के कमजोर और पिछड़े वर्गों तक कानूनी मदद पहुँचाने के उद्देश्य से आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्राधिकरण सचिव इला चैधरी ने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) द्वारा संचालित प्रमुख योजनाओं की जानकारी दी। बताया कि यह योजनाएं के समाज के कमजोर, वंचित एवं पिछड़े वर्गों को निःशुल्क विधिक सहायता, सामाजिक सुरक्षा तथा न्याय तक पहुँच प्रदान करने के उद्देश्य से चलाई जाती हैं। नालसा का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी व्यक्ति आर्थिक स्थिति या सामाजिक कमजोरी के कारण न्याय से वंचित न रहे। अन्य जनपदों से आए प्राधिकरण सचिवों ने भी पराविधिक स्वयं सेवकों को जमीनी स्तर पर सक्रिय रहकर कमजोर वर्गों तक निःशुल्क विधिक सहायता पहुंचाने के लिए प्रेरित किया। विभिन्न विभागों के विशेषज्ञों ने छात्रवृत्ति, पेंशन, श्रमिक योजनाओं, पाक्सो एक्ट, घरेलू हिंसा कानून और किशोर न्याय अधिनियम जैसे विषयों पर विस्तृत जानकारी देते हुए अधिकार मित्रों (पराविधिक स्वयं सेवकों) को इनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान चित्रकूट जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में कार्यरत पैरालीगल वालेण्टियर्स मुन्नालाल विश्वकर्मा व ममता वर्मा को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया।

विभागीय नियमों का हो पालन : उपेंद्र शर्मा

चित्रकूट। महानिदेशक स्कूल शिक्षा उत्तर प्रदेश आदेशानुसार जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी चित्रकूट के निर्देशन में पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय कछार पुरवा में मंगलवार को संकुल खोह की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें एआरपी यामेंद्र दत्त पांडेय तथा उपेंद्र शर्मा उपस्थित रहे। बैठक में स्कूल चलो अभियान, अत्यधिक नामांकन, शत प्रतिशत उपस्थिति, निपुण तालिका फुल फिल करना, स्कूल एडिनेंस कार्यक्रम, उपचारात्मक शिक्षण टीएलएम का विषय वार उपयोग, खेलकूद सामग्री का उपयोग, आईसीटी लैब, स्मार्ट क्लास का प्रतिदिन अनिवाय संचालन, क्रियाशील पुस्तकालय का संचालन सहित तमाम विभागीय विषयों पर चर्चा हुई। उपस्थित शिक्षकों ने अपनी समस्याएं भी साझा किया। एआरपी उपेंद्र शर्मा ने कहा कि शासकीय कार्यों का समयबद्ध कार्य किया जाए, जिससे विभाग की छवि तथा रेटिंग अच्छी रहे। विभागीय नियमों का अक्षरशः पालन किया जाए, जिससे गलती होने की संभावना कम रहे। इस मौके पर संकुल शिक्षक विद्या सागर सिंह, जगजीत सिंह तोमर, प्रधानाध्यापिका रचना यादव, कुबेर सिंह, राम बहादुर सिंह, विनोद सिंह, गीता सिंह, शैलेन्द्र सिंह, कृष्ण कुमार, भैरव प्रसाद, नमोनारायण, प्रतिभा सिंह सहित तमाम शिक्षक मौजूद रहे।

फार्मर आईडी के बिना भी किसान बेंच सकेगें गेंहू

चित्रकूट। रबी विपणन वर्ष 2026-27 में किसानों के हित में एवं उनके फसल को आसानी से न्यूनतम समर्थन मूल्य योजना के अन्तर्गत सरकारी क्रय केन्द्रों पर ब्रिकी के लिए फार्मर आई.डी. कृषक पहचान पत्र की अनिवार्यता समाप्त कर दी गयी है। किसानों को बिना फार्मर आई.डी. कृषक पहचान पत्र के भी अपना गेहूँ बेच सकते हैं। यह व्यवस्था चकबन्दी एवं सामान्य गाँव दोनों पर लागू है। इसके दृष्टिगत किसानों के पंजीकरण के सत्यापन प्रक्रिया में संशोधन करते हुए, जिन गाटों में फार्मर रजिस्ट्री अथवा साफ्टवेयर द्वारा बोयी गयी फसल (गेहूँ) का सत्यापन हो जाएगा। उनको छोड़कर शेष गाटों का सत्यापन चकबन्दी तथा राजस्व विभाग से सम्बन्धित अधिकारियों द्वारा कराते हुए गेहूँ खरीद की कार्यवाही सम्पन्न की जाएगी। इसके अनुपालन में कृषकों के गेहूँ पंजीकरण का सत्यापन पूर्व वर्षों की भाँति लेखपाल तहसीलदार, उपजिलाधिकारी व चकबन्दी अधिकारी के स्तर से किया जाना प्रारम्भ कर दिया गया है। साथ ही किसानों को यह भी सूचित करना है कि जनपद में समस्त गेहूँ क्रय केन्द्र पर पर्याप्त संख्या में बोरे उपलब्ध हैं। बीते सोमवार तक जनपद में कुल 667 किसानों से 3239.806 एम.टी. गेहूँ की खरीद की जा चुकी है, जो क्रय लक्ष्य 16000 एम.टी. का 20 प्रतिशत है। किसानों को अब तक कुल 8.12 करोड़ रुपए का भुगातन किया जा चुका है। कुल खरीद किए गए गेहूँ का लगभग दोगुना गेहूँ की खरीद की जा चुकी है। अब तक 3571 किसानों ने अपना गेहूँ बेचने के लिए आनलाइन पंजीकरण कराया है, जो गतवर्ष में कराए गये कुल पंजीकरण का लगभग दोगुना से अधिक है। गेहूँ खरीद वर्ष 2026-27 के अन्तर्गत जनपद में स्थापित 35 गेहूँ क्रय केन्द्रों के माध्यम से किसानों से गेहूँ खरीद जनपद में आगामी 30 मार्च से 15 जून तक की जाएगी।

कृषक बन्धु गेहूँ बिक्री सम्बन्धी किसी भी सहायता के लिए खाद्य विभाग के टोल फ्री नम्बर 18001800150 पर या जनपद के जिला खाद्य विपणन अधिकारी, तहसील के क्षेत्रीय विपणन अधिकारी या ब्लाक के विपणन निरीक्षक, क्रय केन्द्र प्रभारी से अथवा जिला खाद्य विपणन अधिकारी कार्यालय में स्थापित खरीद कन्ट्रोल रूम पर भी सम्पर्क कर सकते हैं।

शारीरिक एवं मानसिक रुप से संतुलित रहने के लिए संतो से लेनी चाहिए प्रेरणा : कुलपति

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जगदगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय के अष्टावक्र सभागार में वर्तमान परिप्रेक्ष्य में मानसिक स्वास्थ्य की प्रासंगिकता विषय पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का भव्य उद्घाटन संपन्न हुआ। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. शिशिर कुमार पांडेय ने सर्वप्रथम मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर संगोष्ठी का शुभारंभ किया।

संगोष्ठी की संयोजक डॉ. अमिता त्रिपाठी ने सर्वप्रथम संगोष्ठी के औचित्य तथा महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान समय में जबकि एकाकीपन और तनाव के दौर में लोग गंभीर मानसिक स्वास्थ्य से जूझ रहे हैं। ऐसे समय में हमें चर्चा कर सार्थक समाधान की आवश्यकता है जिससे व्यक्ति शारीरिक एवं मानसिक रूप से संतुलित महसूस कर सकें। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. शिशिर कुमार पांडेय ने कहा की अच्छे मन से स्वास्थ्य के लिए हमें अपने प्राचीन संतों से भी प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि संत तुलसीदास ने भी काम, क्रोध, मोह पर नियंत्रण करके मानसिक स्वास्थ्य को नियंत्रित करने की सुंदर व्याख्या प्रस्तुत की है। उन्होंने कहा कि हम अपने अंदर की सच्चाई को स्वीकार करके स्वयं को मानसिक रूप से स्वस्थ रख सकते हैं।

इस अवसर पर उपस्थित मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. भूपेश द्विवेदी ने कहा कि हम औरों के लिए क्या अच्छा कर सकते हैं यह सोचकर तथा अपने व्यवहार में अपनाकर अपना मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रख सकते हैं। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक चित्रकूट डॉ. शैलेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि मोबाइल के अत्यधिक प्रयोग से लोग गंभीर मानसिक बीमारियों से जूझ रहे हैं, इसके लिए उन्हें सतत निर्देशन व परामर्श की आवश्यकता है जो मनोवैज्ञानिक शिक्षा के माध्यम से ही प्रदान किया सकता है। विशिष्ट अतिथि प्रो. तारेश भाटिया ने कहा कि अच्छे मानसिक स्वास्थ्य के लिए हमें अपने वास्तविकता के धरातल पर ही जीवन जीना चाहिए तथा जीवन में स्वायत्तता को बनाए रखकर हमें अपने कार्य स्वयं करने की आदत होनी चाहिए। हम अपनी महत्वाकांक्षा को नियंत्रित रखकर ही अच्छा मानसिक स्वास्थ्य बना सकते हैं। प्रो. लीना कोहली ने कहा कि मानव मस्तिष्क के अनेक आयामों पर वर्तमान कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में मानसिक स्वास्थ्य चुनौती बनता जा रहा है जिससे समय रहते तकनीकी तथा अन्य सुविधाओं के नियंत्रण से हम मनोवैज्ञानिक परामर्श के द्वारा मानसिक स्वास्थ्य अच्छा बना सकते हैं।

स्नातकोत्तर चिकित्सा संस्थान चंडीगढ़ से आए प्रो. ललित कुमार सिंह ने स्वप्न की विभिन्न दशाओं में मनोवैज्ञानिक प्रभाव तथा मानसिक स्वास्थ्य तथा उसके संबंध पर विस्तार से चर्चा की। नेपाल से डिजिटल माध्यम से संबोधित करते हुए त्रिभुवन यूनिवर्सिटी के प्रो. नरेंद्र सिंह ठागुणा ने साउथ एशिया में आत्महत्या के मामले को रोकने के लिए मानसिक स्वास्थ्य के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला। त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू नेपाल की डॉ. उषा किरण सुब्बा ने वर्तमान समय में मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित विभिन्न मुद्दों एवं समस्याओं की चर्चा की और कहा कि इसका समाधान हमें मिलकर निकालना होगा। इस अवसर पर सिक्किम अल्पाइन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुरेंद्र कुमार तिवारी भी उपस्थित रहे। उन्होंने जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय के साथ समझौता भी संपन्न किया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन मनोविज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर संजय कुमार नायक ने किया। कार्यक्रम का संचालन प्रबंधन विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. भविष्या माथुर ने किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव मधुरेंद्र कुमार पर्वत, अधिष्ठाता डॉ. महेंद्र कुमार उपाध्याय, डॉ. विनोद कुमार मिश्रा, डॉ. निहार रंजन मिश्र, डॉ. रजनीश कुमार सिंह, डॉ. रवि प्रकाश शुक्ला, डॉ. गोपाल कुमार मिश्र, डॉ. रमा सोनी, डॉ. रीना पांडेय, डॉ. दलीप कुमार, डॉ. गोपाल कुमार मिश्र, डॉ. हरिकांत मिश्र, डॉ. नीतू तिवारी, डॉ. दुर्गेश कुमार मिश्र सहित विश्वविद्यालय परिवार के समस्त सदस्य मौजूद रहे।

सीजफायर खत्म होते ही कुछ बड़ा होगा

4 चीनी विमान ईरान में लैंड, बड़ा खुलासा!

ईरान

मीडिल ईस्ट में जारी भारी तनाव के बीच एक ऐसी घटना सामने आई है जिसने वैश्विक कूटनीति और सैन्य गलियारों में खलबली मचा दी है। दावा किया जा रहा है कि पिछले 48 घंटों में चीन के चार विशालकाय कार्गो विमान ईरान के हवाई अड्डों पर गुपचुप तरीके से उतरे हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इन विमानों ने ईरानी हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने से पहले अपने ट्रांसपॉडर्स बंद कर दिए थे ताकि उनकी पहचान और लोकेशन को रडार या सार्वजनिक ट्रैकिंग साइट से छिपाया जा सके। खुफिया सूत्रों का मानना है कि इन विमानों में उन्नत मिसाइल प्रणालियां, ड्रोन, तकनीक और अन्य भारी सैन्य साजो सामान लदे हुए थे। यह घटना सीधे तौर पर चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के उस हालिया वादे को चुनौती देती है जिसमें उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को आश्वासन दिया था कि चीन ईरान को किसी भी प्रकार के हथियारों की आपूर्ति नहीं करेगा।

रिपोट्र्स के मुताबिक चीन केवल हथियारों तक ही सीमित नहीं है बल्कि वह ईरान को इनविजिबल सपोर्ट यानी अदृश्य सैन्य मदद भी दे रहा है। इसमें सबसे महत्वपूर्ण ईरान को चीन के बीडू सेटेलाइट नेविगेशन सिस्टम का एक्सेस देना है। अमेरिकी जीपीएस विकल्प के रूप में इस्तेमाल हो रहे यह सिस्टम ईरानी मिसाइलों और का कामकाजी ड्रोंस को पिन पॉइंट एक्यूरेसी प्रदान कर रहा है। इसके अलावा हालिया इंटेलिजेंस इनपुट बताते हैं कि ईरान अब चीन के हाई रेजोल्यूशन टू ही उपग्रहों का उपयोग इजरायली और अमेरिकी सैन्य ठिकानों की निगरानी के लिए कर रहा है। यह साझेदारी ईरान की किल चेन को बेहद घातक बना रही है जिससे वह खाड़ी क्षेत्र में किसी भी हलचल का जवाब सेकंडों में देने को सक्षम हो गया है। कुछ ही दिन पहले शी जिनपिंग ने वाशिंगटन को भरोसा दिलाया था कि बीजिंग इस संघर्ष में न्यूट्रल रहेगा। लेकिन कार्गो विमानों की इस गुप्त लैंडिंग ने अमेरिका को सख्त रुख अपनाने पर मजबूर कर दिया है। ट्रंप प्रशासन के करीबी सूत्रों का कहना है कि अगर इन विमानों में हथियारों की मौजूदगी के पुख्ता सबूत मिलते हैं तो अमेरिका चीन पर अब तक के सबसे कठोर

प्रतिबंध लगा सकता है। इसमें चीनी बैंकों को अंतरराष्ट्रीय भुगतान प्रणाली से बाहर करना भी शामिल हो सकता है। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि अगर चीन ने ईरान को अपनी उन्नत जासूसी और नेविगेशन तकनीक के साथ-साथ हथियारों की खेप पहुंचाना जारी रखा तो मध्य पूर्व में शक्ति संतुलन पूरी तरह से बिगड़ सकता है।

इजराइल के लिए यह स्थिति रेड लाइन के पार है क्योंकि चीनी तकनीक से लेस ईरानी मिसाइलों को रोकना उसके आयरन डोम और एरो डिफेंस सिस्टम के लिए बड़ी चुनौती बन सकता है। उर्मजलडमरू मध्य में चीन की सक्रियता और ईरान को मिल रही सेटेलाइट मदद से वैश्विक तेल आपूर्ति पर भी संकट के बादल मंडराने लगे हैं। फिलहाल बीजिंग ने इन दावों को दुष्प्रचार बताया है लेकिन ट्रांसपंडर बंद कर विमानों का उतरना एक ऐसी कहानी बयां कर रहा है जिसे झुठलाना मुश्किल हो रहा है। क्या बीजिंग की तरफ से वाशिंगटन को सीधी सैन्य चुनौती है? आने वाले कुछ दिन इस सवाल का जवाब तय करेंगे।

मीडिल ईस्ट में चल रहे तनाव के बीच अमेरिका ने स्टेट ऑफ हुरमोस में नाकेबंदी कर ईरानी जहाजों को इस रास्ते से ना गुजरने देने की धमकी दी है। हालांकि रिपोट्र्स के मुताबिक ईरान इस नाकेबंदी को आसानी से चकमा दे रहा है और इस रास्ते से कई जहाजों को बाहर निकाल लाया है। नाकेबंदी लागू होने के बाद से ईरान से जुड़े कई टैंकर रास्ते से गुजर चुके हैं। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया था कि स्टेट ऑफ हुमोस पर अब अमेरिका का नियंत्रण होगा।

इसका मकसद इस नाकेबंदी के जरिए ईरान के तेल और गैस निर्यात को रोकना और इस अहम समुद्री रास्ते पर उसका नियंत्रण कमजोर करना था। 12 अप्रैल को नाकेबंदी की घोषणा हुई और 13 अप्रैल से अमेरिकी नौसेना ने इसे लागू करना शुरू किया। अमेरिका ने उतारे कई युद्धपोत। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार इस ऑपरेशन में 10,000 से ज्यादा सैनिक, मरीन, एयरमैन और एक दर्जन से ज्यादा युद्धपोत और कई विमान तैनात किए गए हैं। पहले 24 घंटों में अमेरिका ने दावा किया था कि कोई जहाज नाकाबंदी पार नहीं कर पाया है और छह व्यापारिक जहाजों को वापस लौटा दिया गया।

'टिप पर कोई कर नहीं'

अमेरिका

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में 'टिप पर कोई कर नहीं' नीति के प्रचार के लिए किए गए अपने एक कार्यक्रम पर खुलकर बात की। उन्होंने स्वीकार किया कि राजनीति में अपनी नीतियों का संदेश जनता तक पहुंचाने के लिए कभी-कभी दिखावे वाले कदम उठाने पड़ते हैं। ट्रंप ने कहा कि ओवल ऑफिस में बर्गर और फ्राइज मंगवाना थोड़ा अजीब जरूर लग सकता है, लेकिन इसका मुख्य उद्देश्य इस नीति से आम लोगों को होने वाले लाभ को समझाना था।

लाइफस्टाइल टिप्स

यह मामला तब सुर्खियों में आया जब एक 'डोरडैश' डिलीवरी ड्राइवर, शैरोन सिमंस ने व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में राष्ट्रपति के लिए बर्गर और फ्राइज के दो बैग पहुंचाए। इस दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने उन्हें 100 डॉलर की टिप भी दी।

व्हाइट हाउस और कंपनी ने इस घटना का इस्तेमाल यह बताने के लिए किया कि कैसे 'टिप पर कोई कर नहीं' नीति ने शैरोन को 11,000 अमेरिकी डॉलर की बचत करने में मदद की। इसे नीति की सफलता के तौर पर पेश किया गया।

विश्वसनीयता पर उठे सवाल

इस घटना के बाद सोशल मीडिया और अन्य मंचों पर काफी आलोचनाएं हुईं। लोगों ने इस स्टंट की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए। जांच में पता चला कि शैरोन सिमंस पहले भी अमेरिकी कांग्रेस के सामने इसी नीति के समर्थन में गवाही दे चुकी थीं और वह इस नीति की पक्षधर रही हैं।

जहाजों पर फायरिंग, भारतीय सुपरटैंकर भी शामिल

ब्रिटेन

स्टेट ऑफ होर्मज में ईरान की तरफ से एक टैंकर पर गोलीबारी कर दी गई। ईरान की इस हरकत के चलते इस पूरे क्षेत्र में तनाव चरम पर आ गया। वहीं दो भारतीय जहाजों को भी बीच रास्ते से वापस लौटना पड़ा। इनमें से एक भारतीय झंडे वाला बड़ा टैंकर है जिसमें 20 लाख बैरल इराकी तेल भरा हुआ था। दरअसल ट्रंप की नाकेबंदी वाली धमकी के तुरंत बाद आज ईरान ने फिर से ऐलान किया कि वह हरमूस पर सख्त पाबंदियां लगा रहा है। आपको बता दें कल ऐसा ईरान की ओर से ऐलान किया गया था कि हुरमुस पूरी तरह से खोल दिया गया है। लेकिन आज ईरान ने कहा कि अमेरिका ने उनके बंदरगाहों और जहाजों पर नाकेबंदी कर रखी है। इसलिए यह कदम उठाया जा रहा है और होरमुस पर फिर से पाबंदी लगाई जा रही है और इसके कुछ ही देर बाद ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड की दो गन बोट यानी हथियार बंद छोटी नावें एक टैंकर के पास आई और उन पर गोलियां चला दी। सरकार की तरफ से कहा गया है कि डायरेक्टर जनरल ऑफ शिपिंग पूरी स्थिति पर नजर बनाए हुए है और जहाज के कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है। साथ ही बाकी भारतीय झंडे वाले जहाजों की सुरक्षा पर भी खास ध्यान दिया जा रहा है। इस घटना के बाद ईरानी राजदूत को भारत ने तलब किया है।

वहीं ब्रिटेन की मिलिट्री के यूके एमटीओ यानी यूके मेरिटाइन ट्रेड ऑपरेशन सेंटर ने बताया कि जिस टैंकर पर गोलियां चलाई गई वह और उसका क्रू यानी जहाज का स्टाफ फिलहाल सुरक्षित है। हालांकि उन्होंने उस जहाज का नाम या वो कहां जा रहा था यह नहीं बताया। वहीं टैंकर ट्रैकर्स

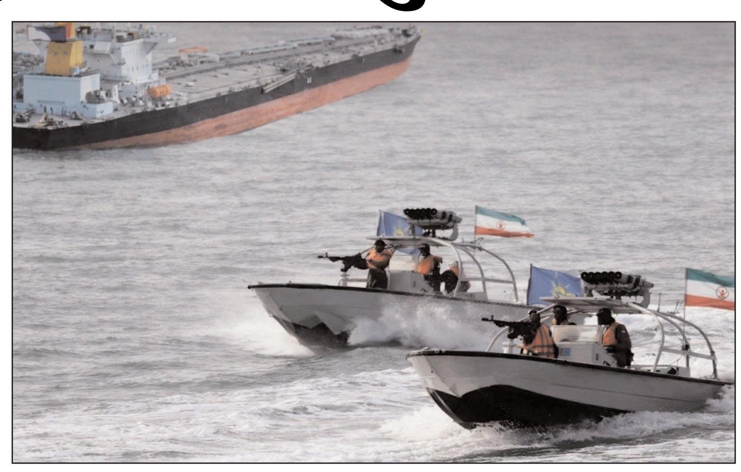

नाम की एक वेबसाइट जो समुद्र में जहाजों की लोकेशन ट्रैक करती है। उसने बताया कि दो भारतीय जहाज हुरमुस की खाड़ी से गुजरने की कोशिश कर रहे हैं और गोलीबारी की खबर आते ही दोनों जहाजों ने अपना रास्ता बदला और वापस पलट गए।

इनमें से एक जहाज भारतीय झंडे वाला बहुत बड़ा टैंकर है। इसमें 20 लाख बैरल इराकी तेल भरा हुआ था। यह तेल इराक से खरीदा गया था और किसी और देश को पहुंचाया जाना था। लेकिन अब यह जहाज बीच रास्ते से वापस लौट गया। कुल मिलाकर खाड़ी में एक बार फिर तनाव चरम पर पहुंच गया। ईरान ने साफ कर दिया है कि बिना उसकी इजाजत के कोई भी जहाज हुरमुस से नहीं गुजर पाएगा। वहीं अमेरिका की तरफ से अभी तक कोई जवाब नहीं आया। 22 अप्रैल को दो हफ्ते का युद्ध विराम खत्म होने वाला है। और अगर इस तारीख तक अमेरिका और ईरान के बीच कोई समझौता नहीं हुआ तो हुरमुस का यह रास्ता पूरी तरह बंद हो जाएगा। और इसका नतीजा यह होगा कि वैश्विक बाजार में तेल की सप्लाई चेन टूट जाएगी और पूरी दुनिया में ऊर्जा संकट देखने को मिलेगा।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दौरे की अटकलों पर 10,000 जवान तैनात

ईरान

ईरान और अमेरिका के बीच चल रही शांति वार्ता को लेकर पाकिस्तान की मध्यस्थता काफी महत्वपूर्ण मोड़ पर है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस विषय पर एक बयान दिया है, जिससे अटकलें तेज हो गई हैं। ट्रंप ने कहा, 'अगर समझौता इस्लामाबाद में साइन होता है, तो मैं वहां जा सकता हूं।' हालांकि, अभी तक अमेरिकी राष्ट्रपति के पाकिस्तान दौरे की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। यह केवल एक संभावना है जो समझौते के अंतिम रूप लेने पर निर्भर करती है।

इस्लामाबाद-रावलपिंडी में सुरक्षा का घेरा

ट्रंप के संभावित दौरे और हाई-प्रोफाइल वार्ता को देखते हुए पाकिस्तान प्रशासन ने

कोई कसर नहीं छोड़ी है। इस्लामाबाद और रावलपिंडी में सुरक्षा का स्तर बेहद सख्त कर दिया गया है। फिलहाल 10,000 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है और शहर भर में 600 से ज्यादा सुरक्षा चौकियां बनाई गई हैं।

नूर खान एयरबेस और इंटरनेशनल एयरपोर्ट के आसपास के इलाकों को रविवार आधी रात से सील करने के आदेश दिए गए हैं। साथ ही, इन संवेदनशील क्षेत्रों में ड्रोन उड़ाने, कबूतरबाजी और हवाई फायरिंग पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है।

जनजीवन पर सख्त पाबंदियां

सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत आम जनता के लिए कई कड़े नियम लागू किए गए हैं। रावलपिंडी में रेस्टोरेंट, जिम, ब्यूटी पार्लर, बैंक और बेकरियां अगली सूचना तक बंद कर दी गई हैं। प्रशासन ने सभी लड़कों और लड़कियों के हॉस्टल को भी बंद करने के निर्देश दिए हैं।

संवेदनशील रूटों पर रहने वाले लोगों को चेतावनी दी गई है कि वे बालकनी या खिड़कियों पर न आएं, अन्यथा कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सभी गेस्ट हाउसों को भी निर्देश दिया गया है कि वे हर दिन अपने मेहमानों का डेटा स्थानीय पुलिस थाने में जमा करें।

शांति समझौते की वार्ता बेनतीजा

मौजूदा समय में दुनिया की नजरें पाकिस्तान की इस कूटनीतिक कोशिश पर टिकी हैं। 11 और 12 अप्रैल को हुई पहले दौर की बातचीत बेनतीजा रही थी, लेकिन अब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर के प्रयासों से दूसरे दौर की उम्मीदें बंधी हैं। ईरान और अमेरिका के बीच जारी सीजफायर 22 अप्रैल को समाप्त होने वाला है, जिससे पहले एक ठोस समझौते पर पहुंचना वैश्विक शांति के लिए अत्यंत आवश्यक है।

फाइनल समझौते में अभी लगेगा काफी वक्त

ईरान

ईरान और अमेरिका के बीच जल्द ही दूसरे दौर की शांति वार्ता होने की उम्मीद है। ईरान का कहना है कि अमेरिका के साथ बातचीत में कुछ प्रगति हुई है, लेकिन अंतिम समझौता होने में अभी काफी समय लगेगा। चूंकि बुधवार को दो हफ्ते का युद्धविराम खत्म हो रहा है, इसलिए दोनों पक्षों पर समझौते का दबाव है।

ईरान का दावा, अमेरिका ने हमारी मांगें मानीं

ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघर गालिबफ ने स्पष्ट किया कि अभी कई बुनियादी मुद्दों पर सहमति बनना बाकी है। उन्होंने दावा किया कि हालिया युद्ध के दौरान ईरान का पलड़ा भारी रहा है। गालिबफ के अनुसार, अमेरिका ने युद्धविराम केवल इसलिए स्वीकार किया क्योंकि उन्होंने ईरान की शर्तें मान ली थीं।

होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरान का नियंत्रण

गालिबफ ने जोर देकर कहा कि अमेरिका अपने लक्ष्य पूरे करने में नाकाम रहा है। उन्होंने बताया कि होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरान का पूरा नियंत्रण है। उनके मुताबिक, बातचीत करना संघर्ष का ही एक तरीका है ताकि ईरान अपने अधिकारों को मजबूती से रख सके।

वार्ता की अभी कोई तारीख तय नहीं

पिछले दिनों इस्लामाबाद में गालिबफ और अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की मुलाकात हुई थी, जो 1979 के बाद से दोनों देशों के बीच अब तक का सबसे उच्च-स्तरीय संपर्क था। हालांकि, इस महत्वपूर्ण बैठक के बावजूद अभी तक बातचीत के अगले दौर के लिए कोई तारीख तय नहीं की गई है।

इस्लामाबाद में हलचल तेज, ईरान से जल्द होगी दूसरे दौर की बातचीत

अमेरिका

अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता को लेकर दूसरे दौर की बातचीत को लेकर तैयारियां तेज हो गई है. हाल ही में अमेरिका सैन्य विमान पाकिस्तान पहुंचे हैं. यह विमान रावलपिंडी नूरखान एयरबेस पर लैंड किए हैं. इनकी संख्या चार बताई जा रही है. इन विमानों में अमेरिकी प्रतिनिधियों की सुरक्षा से जुड़ी तैयारियां है. इधर,

इस्लामाबाद पुलिस ने भी सोशल मीडिया पर रूट चेंज को लेकर एजवाइजरी जारी की है.

इससे पहले दोनों देशों के बीच पहले दौर की बातचीत पाकिस्तान के इस्लामाबाद में हुई थी. उस समय ईरान और अमेरिका ने पाकिस्तान की भूमिका की तारीफ भी की थी. हालांकि, 21 घंटे चली पहली बातचीत बेनतीजा रही थी.

जेडी वेंस गाड़ी और अन्य सुरक्षा उपकरण लेकर पहुंचे यूएस विमान

जानकारी के मुताबिक, नूरखान पर उतरे अमेरिकी सैन्य विमान में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की गाड़ियां समेत अन्य सुरक्षा उपकरण शामिल हैं. इसके अलावा उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने वाले 22 अमेरिकी सीक्रेट सर्विस के ऑफिसर 4 विमान के साथ रावलपिंडी के नूरखान एयरबेस पर लैंड कर चुके हैं.

इस्लामाबाद पुलिस ने ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की

इधर, इस्लामाबाद पुलिस ने नया ट्रैफिक प्लान लागू किया है. यह जानकारी एक्स पर एक पोस्ट में साझा की गई है. इसमें बताया गया कि इस्लामाबाद में विदेशी डेलीगेशन के आने की वजह से रेड जोन और एक्सटेंडेड रेड जोन सभी तरह के ट्रैफिक के लिए पूरी तरह बंद रहेंगे. लोगों को सलाह दी जाती है कि वे अन्य रास्तों का इस्तेमाल करें. ट्रैफिक पुलिस के साथ मिलकर काम करें. ताकि ट्रैफिक आसानी से चले. सुरक्षा बनी रहे.

पाकिस्तान ने ईरान को बातचीत के लिए मनाने की कोशिश की

उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री सीनेटर मोहम्मद इशाक डार ने रविवार को दोपहर ईरान के विदेश मंत्री महामहिम अब्बास अराघची से बात भी की. डार ने इस बात पर जोर दिया कि इस क्षेत्र और उससे बाहर शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए, मौजूदा मुद्दों को जल्द से जल्द हल करने हेतु निरंतर बातचीत और जुड़ाव बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा, प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI NO. UPHIN/2001/09025
प्रबन्धक
अनूप मिश्रा
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादो का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा

सुप्रीम लीडर बनने के बाद यह पहला बड़ा विदेशी दौरा

पाकिस्तान

क्या पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर का ईरान दौरा सिर्फ एक आम डिप्लोमेटिक यात्रा है या इसके पीछे कोई बड़ा खेल चल रहा है? यह सवाल इस समय इंटरनेशनल पॉलिटिक्स में चर्चा का केंद्र बना हुआ है। तेहरान पहुंचे मुनीर का यह दौरा इसलिए भी खास माना जा रहा है क्योंकि ईरान में मुस्तबा खामने के नए सुप्रीम लीडर बनने के बाद यह पहला बड़ा विदेशी दौरा है। आमतौर पर ऐसे मौके पर शीर्ष स्तर के मुलाकातें होती हैं। लेकिन इस बार मुनीर और खामने की संभावित मुलाकात को लेकर सस्पेंस बना हुआ है। जानकारों का मानना है कि इस दौरे के कई संकेत हो सकते हैं। एक तरफ पाकिस्तान और ईरान के बीच संबंध को मजबूत करने की कोशिश भी छुपी हो सकती है।

वहीं दूसरी तरफ कुछ जानकारों का यह मानना है कि यह यात्रा शायद मुनीर अमेरिका के लिए रणनीतिक जानकारी जुटाने के लिए कर रहे हैं। यह अटकलें इसलिए भी तेज हो गई है क्योंकि पाकिस्तान हाल के दिनों में अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत में मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है। इस पूरे घटनाक्रम में एक और दिलचस्प पहलू जुड़ता है अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का। ट्रंप कई मौकों पर जनरल मुनीर की तारीफ कर चुके हैं और पाकिस्तान की शांति प्रयासों में भूमिका की सराहना भी की है। उन्होंने यह भी संकेत दिए हैं कि अगर हालात अनुकूल रहते हैं तो ईरान के साथ चल रहे तनाव सीज फायर को आगे बढ़ाया जा सकता है। इससे यह सवाल और गहरा हो जाता है कि क्या पाकिस्तान वाकई एक निष्पक्ष देश है।

राष्ट्रपति ट्रंप की धमकी से दुनिया में तेल आपूर्ति का खतरा

अमेरिका

मध्य पूर्व में तनाव लगातार बढ़ता दिख रहा है और हालात एक बार फिर टकराव की ओर जाते नजर आ रहे हैं। इसी बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर कड़ा बयान दिया है, जिससे वैश्विक चिंता और गहरी हो गई है। मौजूद जानकारी के अनुसार, ट्रंप ने साफ चेतावनी देते हुए कहा कि अगर ईरान ने अमेरिका के प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया तो अमेरिका सख्त कदम उठाने से पीछे नहीं हटेगा। उन्होंने अपने बयान में कहा कि अब नरम रवैया खत्म हो चुका है और अगर समझौता नहीं हुआ तो ईरान के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया जा सकता है। बता दें कि यह बयान ऐसे समय आया है जब होरमुज स्ट्रेट को लेकर तनाव चरम पर है। ईरान ने इस अहम समुद्री मार्ग पर नियंत्रण कड़ा कर दिया है, जो वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। गौरतलब है कि दुनिया के बड़े हिस्से का कच्चा तेल इसी रास्ते से गुजरता है, इसलिए यहां किसी भी तरह की बाधा का सीधा असर अंतरराष्ट्रीय बाजारों पर पड़ता है। अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे इस विवाद में दोनों पक्षों की ओर से सख्त रुख अपनाया गया है। मौजूद जानकारी के अनुसार, अमेरिका ने ईरान के बंदरगाहों पर

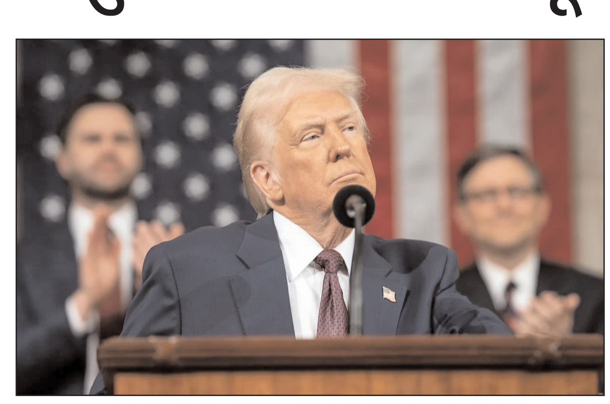

अपनी नौसैनिक कार्रवाई जारी रखी हुई है, जबकि ईरान ने साफ कहा है कि जब तक यह कार्रवाई खत्म नहीं होती, तब तक वह समुद्री मार्ग को पूरी तरह सामान्य नहीं होने देगा। इस बीच बातचीत की कोशिशें भी जारी हैं। जानकारी के मुताबिक दोनों देशों के प्रतिनिधि पाकिस्तान में मुलाकात करने वाले हैं, जहां समझौते की संभावनाओं पर चर्चा होगी। हालांकि, ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बगेर गालिबफ ने संकेत दिया है कि अभी अंतिम समझौता काफी दूर है और कई अहम मुद्दों पर मतभेद बने हुए हैं। गौरतलब है कि हाल ही में एक अस्थायी युद्धविराम लागू किया गया था, जिससे कुछ समय के लिए हालात सामान्य होने की उम्मीद जगी थी। लेकिन ट्रंप के सख्त रुख और ईरान की प्रतिक्रिया के बाद स्थिति फिर से तनावपूर्ण हो गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर यह गतिरोध लंबा खिंचता है तो इसका असर वैश्विक तेल कीमतों और व्यापार पर साफ दिख सकता है।